हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 116 ● भिलाई, बुधवार 25 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

पति पर पत्नी के बैंक खाते से 12 लाख रुपये निकालने का आरोप

हरिद्वार । बहादराबाद कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर धोखाधड़ी कर बैंक खाते से 12 लाख रुपये निकालने और बीमा पॉलिसी में जालसाजी करने का आरोप लगाया है। मामले में पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला शिवांगी गोयल पुत्री विवेक गोयल निवासी पृथ्वीराज चौहान चौक बहादराबाद ने शिकायत में बताया कि उनका आईसीआईसीआई बैंक में काश्वी इंडस्ट्रीज के नाम से चालू खाता है, जिसकी वह एकमात्र प्रोपराइटर है। आरोप है कि छह अक्तूबर को बैंक स्टेटमेंट निकलवाने पर उसे खाते से बिना सहमति करीब 12 लाख रुपये की निकासी की जानकारी हुई। आरोप है कि पति प्रशांत अग्रवाल ने दो अगस्त 2025 से 30 सितंबर 2026 के बीच धोखाधड़ी कर रकम निकाली। इसके अलावा उसकी बीमा पॉलिसी के दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर कर आधार और पैन कार्ड का दुरुपयोग किया गया।

मैजिक-बाइक की भिड़ंत में नवविवाहित युवक की मौत

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के लिहई गांव के पास मोटरसाइकिल व मैजिक वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं युवक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, जितेन्द्र कोरी (24) पुत्र भैरों प्रसाद निवासी शाहपुर हरदासपुर सुकुलपुर अपने गांव के ही सरद कुमार पुत्र राजेश कुमार प्रजापति को साथ लेकर गलेहरा बाजार सब्जी खरीदने गया था। बाजार से वापस लौटते समय लिहई गांव के पास उनकी मोटरसाइकिल की सामने से आ रहे मैजिक वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि जितेन्द्र कोरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार सरद कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गया।

108 महिलाओं ने की औसानी माई की दुख दूरिया, विधि-विधान से हुआ पूजन

सुलतानपुर। विकासखंड के सालिमपुर ग्रांट के शुक्लहिया गांव स्थित धमसा माई के पावन धाम पर गुरुवार को औसानी माई की दुख दूरिया का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव की 108 महिलाओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर माता का स्मरण किया और सुख-शांति एवं परिवार की समृद्धि की कामना की। ग्रामीण अंचलों में लोक परंपरा और मान्यता के अनुसार शुभ अवसरों पर दुख दूरिया का आयोजन किया जाता है। इसमें माताएं-बहनें सामूहिक रूप से पूजन कर दुखों को दूर करने वाली देवी का स्मरण करती हैं। मान्यता के अनुसार दुख दूरिया प्रमुख रूप से गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित की जाती है। गुरुवार को होने वाली दुख दूरिया में दाना और मीठे का प्रयोग किया जाता है।

नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रूपए जारी

सीएम साय ने भिलाई में किया ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम निर्माण की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज इस्पात नगरी खुर्सीपार भिलाईवासियों को कुल 154 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपए की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों के रिटेंशन आवास के किराए में हुई 24 गुना वृद्धि को लेकर सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद अधिकारियों से बात की गई। इसके बाद मासिक किराए में बढ़ोतरी को कम कर 6 रुपये किए जाने का निर्णय लिया गया, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के बीते तीन वर्षों के विकास कार्यों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 1600 आवास बनाए जा रहे हैं, वहीं शहरी विकास के तहत तीन वर्षों में 77 हजार से अधिक मकानों का निर्माण कराया गया है। महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये दिए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत 33 किस्तों में 21 हजार 350 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रामलला दर्शन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भिलाई से अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जब इस्पात राज्यमंत्री का दायित्व सौपा था, तो क्षेत्र की समस्याओं और विभिन्न घटनाओं के समय लोगों के साथ संवाद एवं सहयोग बना रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए दो प्रमुख सड़क निर्माण कार्यों की घोषणा की। कुरुद-जुनवानी कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरुद बस्ती एवं सुंदर विहार तक सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये तथा जुनवानी-कोहका-कुरुद मार्ग में कोसानाला से कुटेला मार्ग एवं कुटेलाभाठा सड़क निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपये की घोषणा की गई। इसके अलावा भिलाई नगर में ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे विकास कार्यों और नगरीय सुविधाओं के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा 154 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है। प्रदेश में सरकार बनने के बाद पिछले तीन वर्षों में गांवों और शहरों का तेज गति से विकास हुआ है और छत्तीसगढ़ आज विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

रिसाली के विकास में पैसे की कमी नहीं होगी- उपमुख्यमंत्री साव

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज रिसाली को 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। प्रदेश के नगरीय निकायों ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने रिसालीवासियों को आश्वस्त किया कि नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर ने अपने स्वागत उद्बोधन में किसानों के हित में लिए गए निर्णयों तथा रिसाली क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं और मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

हसीना ने वापसी की तारीख का ऐलान किया

16 दिसंबर को लौटेंगी शेख हसीना इसी दिन बांग्लादेश आजाद हुआ था

नई दिल्ली/ एजेंसी



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश वापसी की तारीख का ऐलान कर दिया है। शेख हसीना 16 दिसंबर को भारत से बांग्लादेश लौटेंगी। 16 दिसंबर को मुक्ति संग्राम की जीत की वर्षगांठ का दिन है। इसी दिन 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान से बांग्लादेश अलग हुआ था। उनकी वापसी के लिए सरकारी विमान भेजने की तैयारी की जा रही है। न्यूज ऐजेंसी के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने मंगलवार को जानकारी दी कि शेख हसीना 16 दिसंबर को बांग्लादेश वापस लौटेंगी। हसीना सरकारी एयरलाइन बिमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। यह पहली बार है जब हसीना ने अपनी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय की है। ऐसे में बांग्लादेश में राजनीतिक और कानूनी तनाव और बढ़ने की आशंका है। 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में जीत हासिल की थी। इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुक्ति वाहिनी बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों का संगठन था। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने कहा कि संविधान के खिलाफजाकर हसीना को देश से बाहर किया गया था। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि 16 दिसंबर को 'विजय दिवस' (विक्ट्री डे) पर उनकी वापसी मुमकिन बनाए। बता दें कि हसीना की वापसी के ऐलान से बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव पहले से बढ़ा हुआ है।

अब क्या होगा फैसला?

टीएमसी के 20 बागी सांसदों की सदस्यता पर सस्पेंस-बिरला

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस से बगावत कर एनसीपीआई में शामिल होने वाले 20 लोकसभा सांसदों की सदस्यता पर मंडरा रहे संकट के बीच अब गेंद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पाले में आ गई है। बागी सांसदों ने संवैधानिक और संसदीय नियमों के पालन का हवाला देते हुए अपनी सदस्यता बचाने के लिए 17-18 पन्नों के दस्तावेज सौंपे हैं, जिस पर टीएमसी के ममता बनर्जी खेमे ने देरी करने और समय खरीदने का आरोप लगाया है। एनसीपीआई की संसदीय अध्यक्ष काकोली घोष दस्तीदार ने मंगलवार को जानकारी दी कि बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना जवाब सौंप दिया है। सांसदों ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि पार्टी छोड़कर एनसीपीआई से जुड़ने में सभी संसदीय और संवैधानिक नियमों का पूरी तरह पालन किया गया है, इसलिए यह कदम दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता का आधार नहीं बनता। दरअसल, इन 20 सांसदों के टीएमसी छोड़कर एनसीपीआई के साथ जाने के बाद दल-बदल कानून के तहत इनकी लोकसभा सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर स्पीकर ओम बिरला के समक्ष याचिकाएं दायर की गई थीं। इसी पर ओम बिरला ने सभी 20 सांसदों को नोटिस जारी कर उनका पक्ष जानना चाहा था।



ममता बनर्जी खेमे के आरोपों के बीच अब स्पीकर के फैसले पर टिकी नजरें

बागी सांसदों की ओर से बार-बार समय मांगे जाने पर टीएमसी के ममता बनर्जी खेमे ने सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि सांसद जानबूझकर जवाब देने में देरी कर रहे हैं और समय खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास अपने फैसले के बचाव में कहने के लिए कुछ ठोस नहीं है। अब सभी 20 सांसदों द्वारा तय समयसीमा के अंतिम दिन जवाब सौंपने के बाद अगला कदम लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का होगा।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत शाहपुर बेगू और केलनिया में उमड़ा जनसैलाब

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे राज्यव्यापी 'वोट बचाओ देश बचाओ' चौपाल अभियान के तहत सिरसा के गांव शाहपुर बेगू और गांव केलनिया में विशाल जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों, किसानों, युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जनसंवाद की शुरुआत करते हुए विधायक आदित्य सुरजेवाला ने मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के वोट में निहित है।

इलाज कराकर लौट रहे थे तीनों, रास्ते में हुआ हादसा

अस्पताल से लौट रहे तीन लोगों को ट्रक ने कुचला:युवक की मौके पर मौत, दो युवतियों ने एंबुलेंस में तोड़ा दम.....

मनेन्द्रगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। इमली गोलाई के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक ट्रक में फंस गई और करीब 200 मीटर तक सड़क पर घिसटती रही। हादसे में बाइक चला रहे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दोनों युवतियों की भी अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, बरबसपुर निवासी भूमिका अपनी सहेली प्रमिला के घर आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। मंगलवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर भूमिका, प्रमिला और भवन कुमार उपचार के लिए मनेन्द्रगढ़ के 220 बिस्तर सिविल अस्पताल पहुंचे थे। इलाज के बाद तीनों मोटरसाइकिल से नौगई के लिए रवाना हुए। बाइक भवन कुमार पिता नारायण चला रहा था। उसके साथ भूमिका और नौगई निवासी प्रमिला पिता खेलावन सिंह मरकाम सवार थीं। तीनों इमली गोलाई के पास पहुंचे ही थे कि विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक की टक्कर के बाद मोटरसाइकिल उसके हिस्से में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में भवन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं भूमिका ने अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में दम तोड़ दिया। तीसरी सवार प्रमिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे मनेन्द्रगढ़ सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर किया।





नागपुर: महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को आयोजित 'एयर फेस्ट 2026' के दौरान भारतीय वायुसेना की टीम ने हवाई करतबों का प्रदर्शन किया।

पति ने रंगे हाथ पकड़ा

भाजपा पार्षद महिला के साथ आपत्तिजनक हाल में मिला.....

रायपुर। सूरजपुर के भाजपा पार्षद एवं जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गर्ग द्वारा एक विवाहित महिला के घर देर रात मौजूद होना, अवैध संबंध बनाना और पकड़े जाने पर मुंह छिपाकर भाग जाने की बात सामने आई है। महिला के पति द्वारा पुलिस में लिखित शिकायत भी दी गई है। घटना का वीडियो और फोटो वायरल हो गए हैं। भाजपा नेता और महिला को उसके पति ने संदिग्ध हालत में पकड़ा था। फिलहाल पति की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। मामला सूरजपुर का है और महिला के साथ पकड़ाने वाला भाजपा नेता वार्ड पार्षद है और जिला मीडिया प्रभारी भी है। सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक भाजपा पार्षद मुकेश गर्ग मुंह पर कपड़ा डालकर महिला के घर से निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, मौके पर महिला के पति और कुछ और लोग भी मौजूद हैं। हालांकि मुकेश गर्ग ने मौके से फरार होने की भी कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे धर दबोचा।

जजों-अफसरों को सेट करने लिए थे 15 करोड़

देश छोड़कर भागने से पहले सौरभ चंद्राकर का वकील गिरफ्तार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के कॉर्पोरेट अधिवक्ता हिमांशु शेखर की गिरफ्तारी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में एक नया मोड़ ला दिया है। दरअसल सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने हिमांशु के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। आरोप है कि महादेव सट्टा केस से जुड़े सभी मामलों में जजों और अफसरों को सेट करने के लिए सौरभ चंद्राकर से 15 करोड़ रुपए लिए थे। सौरभ के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में दुबई के एक विला में हुई बैठक के दौरान हिमांशु ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों को मैनेज करने और इंटरपोल के नोटिस निष्प्रभावी कराने का भरोसा दिया था। महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले की जांच अब केवल इसके प्रमोटरों और कथित आर्थिक लेन-देन तक सीमित नहीं रह गई है। इस मामले में दिल्ली के कॉर्पोरेट अधिवक्ता हिमांशु शेखर की गिरफ्तारी ने जांच को एक नया मोड़ दिया है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि हिमांशु ने महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से 15 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ली थी। आरोप है कि उसने सट्टा मामले में राहत दिलाने और न्यायिक व प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े लोगों को प्रभावित कराने का भरोसा दिया था। रायपुर की विशेष अदालत ने उन्हें 28 नवंबर तक ख़ष्ठ की हिरासत में भेजा है। हिमांशु शेखर का सफर सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क-कम-रिसर्च असिस्टेंट के रूप में शुरू हुआ। यहां उन्होंने तत्कालीन सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जस्टिस आर.वी. रवींद्रन के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने वकालत के पेशे में कदम रखा। उपलब्ध पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार, उनके पास 13 साल से अधिक का अनुभव है। हिमांशु ने वर्ष 2008 में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर से बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। वर्ष 2021 में गलगोटियास यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की पढ़ाई पूरी की। वह वर्ष 2008 से बार काउंसिल ऑफ दिल्ली में नामांकित हैं और 'लेक्स प्रैक्सिस' में सीनियर पार्टनर के साथ लिटिगेशन विभाग के प्रमुख रहे हैं। उनके अभ्यास के प्रमुख क्षेत्रों में आपराधिक कानून, व्हाइट कॉलर अपराध, संवैधानिक कानून, सेवा कानून, वैवाहिक विवाद, उपभोक्ता कानून, पर्यावरण और मानवाधिकार से जुड़े मामले शामिल हैं। चिकित्सा लापरवाही और मौलिक अधिकारों से जुड़े मामलों में भी उन्होंने काम किया है। ईडी के अनुसार, सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान हिमांशु शेखर का नाम सामने आया।





श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन, कथावाचक ने दिया एकता और सनातन संस्कृति के उत्थान का संदेश

चिरमिरी। क्षेत्र के भैंसा दफाई में राधा कृष्ण महिला मंडल एवं स्थानीय मातृशक्ति के तत्वावधान में भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर कथावाचक ने मीडिया से चर्चा करते हुए श्रीमद्भागवत कथा के आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जीवन की समस्त व्यथाओं को दूर करने का सशक्त माध्यम है। कथा श्रवण से मनुष्य को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग मिलता है। साथ ही काम, क्रोध, मोह, लोभ, आसक्ति और तृष्णा जैसे विकारों से मुक्ति पाने की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां और दुख क्यों न आएं, मनुष्य को हमेशा प्रसन्नचित्त और आनंदित रहना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा का मूल संदेश विचारों की पवित्रता, सद्भावना और सभी को साथ लेकर चलने की भावना है। कथावाचक ने समाज के लोगों से सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और संस्कृति के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं में एकता का देश है और ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करते हैं। इन आयोजनों से न केवल समाज बल्कि पूरे राष्ट्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। अंत में उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की मंगलकामना करते हुए चिरमिरी क्षेत्र के श्रद्धालुओं के प्रेम, सहयोग और आतिथ्य भाव की सराहना की।

कोरबा में ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न, दो परिवारों के मिलन का दिया संदेश



कोरबा। परशुराम ब्राह्मण समाज, कोरबा के तत्वावधान में प्रथम वर्ष ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन परशुराम विप्र भवन, महाराणा प्रताप चौक, बुधवारी में संपन्न हुआ। कायक्रम में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां अपने परिजनों सहित शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महापौर रायपुर प्रमोद दुबे जी रहे, जबकि अध्यक्षता जिला पंचायत सारंगढ़-बिलाईगढ़ के अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष संघ संजय भूषण पाण्डेय जी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में देवेन्द्र पाण्डेय जी उपस्थित रहे। परशुराम ब्राह्मण समाज कोरबा के अध्यक्ष बी. के. शुक्ला जी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राजेन्द्र पाण्डेय जी एवं मनोज कुमार शर्मा जी, हरीश परसाई जी, जनरल मैनेजर एसईसीएल द्विवेदी जी, जिला शिक्षा अधिकारी टी. पी. उपाध्याय जी, वेद भूषण द्विवेदी उपस्थित रहे। मंच संचालन सी. के. शर्मा जी ने किया। इस अवसर पर संत तिवारी, वाई. पी. तिवारी, बी. एन. शुक्ला, राजेश पाण्डेय, शिवराज शर्मा, मेदनी मिश्रा, नागेश चंद्र गौरहा, मन्नू शर्मा, संतोष तिवारी, दिनेश पाण्डेय, रितेश तिवारी, दुष्यंत तिवारी, अखिलेश शर्मा, के. एल. मिश्रा, प्रदीप तिवारी, आलोक पाण्डेय, संदीप शर्मा, तारकेश मिश्रा, राम निहोरा द्विवेदी, संजय शर्मा, शंकर शर्मा, शत्रुघ्न तिवारी, शरद उपाध्याय सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रमोद दुबे जी ने कहा –

प्रमोद दुबे जी ने कहा कि वे रायपुर में रहते हैं और समाज के किसी भी व्यक्ति को रायपुर में किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो, तो वे हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि समझिए आपका एक भाई रायपुर में है, जो हमेशा आपके साथ खड़ा रहेगा।

अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय जी का उद्बोधन –

अपने उद्बोधन में संजय भूषण पाण्डेय ने कहा कि यह परिचय सम्मेलन केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं है। जब एक युवक और युवती जुड़ते हैं, तो केवल वे दोनों ही नहीं जुड़ते, बल्कि दो परिवारों का मिलन होता है। इसलिए रिश्ते को इसी भावना से देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मिलन के दौरान हमको इस बात पर बहुत ज्यादा जोर नहीं देना चाहिए कि लड़के या लड़की में संपूर्ण गुण हों, क्योंकि कमियां हर व्यक्ति में कुछ न कुछ होती हैं। उन्होंने कहा कि कमियों को स्वीकार करते हुए, चुनौतियों को पार करते हुए और एक-दूसरे के साथ कैसे एडजस्ट करें, इस भावना को ध्यान में रखते हुए रिश्ता तय करना चाहिए। क्योंकि संपूर्ण कोई व्यक्ति नहीं होता। भगवान भी संपूर्ण नहीं रहे, हर जगह कुछ न कुछ कमी रही है। ऐसा सोचने पर ही रिश्ते बनते हैं और टिकते हैं। उन्होंने माता-पिता से कहा कि आपको अपने बेटे-बेटियों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। आप उनको ऐसे संस्कार दीजिए कि वह कहीं भी, जो भी काम करें, तो आपको भरोसा हो कि मेरा बेटा-बेटी या होने वाली बहू गलत नहीं करेंगे। उनको इतना अधिकार और विश्वास अवश्य दीजिए। उन्होंने कहा कि समाज में ज्यादातर माता-पिता अपनी सोच को बच्चों पर थोप देते हैं। जैसे परीक्षा में वह क्या पढ़ेगा, क्या करेगा, इसको तय करने के लिए उन पर दबाव डाल देते हैं, जिसके कारण बच्चे का भविष्य नहीं बन पाता है। इसी तरह जब युवक-युवतियों की शादी लगती है, तो माता-पिता अपनी सोच को ज्यादा थोपते हुए कहते हैं कि मुझे डॉक्टर चाहिए, इंजीनियर चाहिए। इस सोच के कारण बहुत से योग्य युवक-युवतियों की शादी नहीं हो पाती है। उन्होंने आग्रह किया कि माता-पिता अपनी सोच को बच्चों पर थोपने के बजाय, इस परिचय सम्मेलन का लाभ लें। ज्यादा से ज्यादा लोग इस सम्मेलन का उपयोग करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा नए रिश्ते बनें, यही समाज का लाभ है। उन्होंने परशुराम भवन को लेकर कहा कि देवेन्द्र पाण्डेय जी द्वारा जमीन दान की गई है और इतना बड़ा भवन बनना समाज के लिए बहुत बड़े गौरव की बात है। परशुराम समाज और विप्र समाज के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि हम इतने बड़े भवन के नीचे आज यह कार्यक्रम संपन्न कर रहे हैं।

आर्थिक क्षेत्र और रोजगार पर दिया जोर –

पाण्डेय जी ने कहा कि ब्राह्मण समाज को अब आर्थिक क्षेत्र पर भी ध्यान देना होगा। ब्राह्मण पैदा होते ही बुद्धिमान होता है, ज्ञान की उसमें कभी कमी नहीं होती है। यह उसका आनुवंशिक गुण है। लेकिन आज जरूरत है तो आर्थिक क्षेत्र में काम करने की। उन्होंने कहा कि कौशल विकास योजना के अंतर्गत जो पाठ्यक्रम हैं, उनको पढ़ने और कौशल विकास की योजनाओं की तरफध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि हर व्यक्ति के पास कुछ न कुछ रोजगार अवश्य हो। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के पास रोजगार होना ही चाहिए। समाज को व्यापार, उद्योग और व्यवसाय की तरफभी आगे आना होगा। यही प्रयास हमारे समाज को और आगे बढ़ाएगा। अंत में उन्होंने आयोजक परशुराम ब्राह्मण समाज, कोरबा को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि समाज जब भी आवश्यकता महसूस करेगा, वे साथ खड़े रहेंगे।



सामान्य सभा में विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं की समीक्षा, जनहित के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

एमसीबी। जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जिला पंचायत सदस्य उर्जित नारायण सिंह, सुखमंती सिंह, रामजीत लकड़ा, अनीता चौधरी, अनीता सिंह, प्रिया, बेला कुंवर, ममता सिंह, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कृषि विभाग के अंतर्गत खरीफएवं रबी फसलों की योजनाओं, कृषक उन्नति योजना, कृषि यंत्रों एवं सिंचाई अनुदान, जल संरक्षण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की जानकारी ली गई।

बिचौलियों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 183 कट्टा अवैध धान जब्त



बलौदाबाजार। धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले मे 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जरी हैं। इस बीच जिला प्रशासन द्वारा बिचौलियों पर कड़ी निगरानी की जा रही हैं। इसी कड़ी मे कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर सोमवार को प्रशासन की टीम ने तहसील कसडोल और सोनाखान मे बिचौलियों पर कार्यवाही करते हुए 183 कट्टा अवैध धान जब्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील सोनाखान अंतर्गत 5 कोचियो पर कार्यवाही की गई। इसमें रितेश ट्रेडर्स थारगव में 21 कट्टा धान, ओम ट्रेडर्स थारगव में 42 कट्टा धान तथा मोनू किराना स्टोर सुखरी में 40 कट्टा धान जब्त कर कार्यवाही किया गया । तहसील कसडोल अंतर्गत राजस्व विभाग एवं मंडी के संयुक्त दल द्वारा बिचौलियों पर कार्यवाही की गई। ग्राम सेल से थोक व्यापारी प्रेमलाल साहू के प्रतिष्ठान से 40 कट्टा तथा थोक व्यापारी यशवंत जायसवाल के प्रतिष्ठान से 40 कट्टा धान जब्त किया गया। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि कोचिये और बिचौलिए पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उपार्जन केंद्रों मे अवैध धान खापाने की कोशिश पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।



मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से दुर्ग शहर में बिजली व्यवस्था होगी मजबूत

दुर्ग। दुर्ग शहर के विभिन्न वार्डों और नई विकसित हो रही बस्तियों एवं कॉलोनियों में विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव की पहल पर मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्वीकृति मिली है। दुर्ग नगर संभाग में विद्युत विस्तार कार्यों के लिए दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के लिए 149.76 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 130 से अधिक नए विद्युत पोल लगाने के साथ 15 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही आवश्यकता के अनुसार विद्युत लाइन विस्तार और पोल शिफ्टिंग के कार्य, ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने, फीडर का विस्तार भी किए जाएंगे। इसके अलावा नागरिकों के मांग के अनुरूप घर व रास्ता से लगे बिजली पोल शिफ्टिंग, आवश्यकतानुसार बिजली तार हटाने का कार्य किये जायेंगे। शहर के नागरिकों, पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार नई बस्तियों और कॉलोनियों में बिजली के पोल एवं लाइन विस्तार की मांग की जा रही थी। कई क्षेत्रों में आबादी बढ़ने के बावजूद विद्युत अधोसंरचना के विस्तार की आवश्यकता बनी हुई थी। नागरिकों की इन समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके बाद विभागीय इंजीनियरों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्यों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

मारो में कांग्रेस का चुनावी शंखनाद: बैज बोले - पीने को पानी नहीं, गली-गली दारू भरपूर





महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी

बेमेतरा। नगर पंचायत मारो में सोमवार को कांग्रेस ने वोट बचाओ अभियान के बैनर तले चुनावी शंखनाद कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के मुख्य आतिथ्य में आयोजित विशाल जनसभा में कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार लोगों को पीने का पानी तक नहीं दे पा रही है, लेकिन गली-गली दारू बेच रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में भी बिजली बिल को लेकर लोग नाराज हैं। पूरे छत्तीसगढ़ में जनता इस सरकार से नाराज है। बैज ने कहा कि मारो में उमड़ी भीड़ ही आने वाले परिणाम की ओर इशारा कर रही है। पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। किसान और नौजवान ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सरकार जमीन पर कहीं नजर नहीं आ रही है। पूर्व विधायक गुरुदयाल बंजारे ने देवरबीजा में दिए बयान को लेकर गोल-मोल करते हुए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मारो में विकास कांग्रेस ने ही किया है। अस्पताल का उन्नयन, उप तहसील, आत्मानंद स्कूल जैसे काम कोरोना संकट के बाद भी कांग्रेस ने मारो के हित में किए हैं। जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मारो की जनता भाजपा से परेशान है। मंत्री केवल दुकान तोड़ना जानते हैं। पूर्व डायरेक्टर विजय बघेल ने सरकार और स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ जमकर हमला बोला और कहा कि समय आने पर हिसाब हो जाएगा। सभा को जिला पंचायत सदस्य सुशीला जोशी, शशि प्रभा गायकवाड़, ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र साहू, झम्मन बघेल ने भी संबोधित किया।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर चिरमिरी में निकला भव्य नगर कीर्तन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल



चिरमिरी। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर चिरमिरी क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। पंज प्यारों की अगुवाई और गुरु महाराज की पावन हजूरी में निकले नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सिख समुदाय के अध्यक्ष ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि नगर कीर्तन शहर के प्रमुख मार्गों बड़ी बाजार, हल्दीबाड़ी और डोमनहिल से होते हुए पुनः गोदरीपारा स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान गुरु महाराज की सवारी के स्वागत और सम्मान में संगत के सदस्यों ने विशेष स्वच्छता सेवा की। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग पर पानी का छिड़काव कर झाड़ू लगाई और रास्ते को साफ-सुथरा बनाया, ताकि गुरु महाराज की सवारी पवित्र एवं स्वच्छ मार्ग से गुजर सके। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, सेवा और भक्ति का माहौल बना रहा।

विधायक सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर 154 तीर्थयात्रियों को अयोध्या धाम के लिए किया रवाना



महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठजनों एवं श्रद्धालुओं को भगवान राम के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले के 147 तीर्थयात्रियों एवं 7 शासकीय अनुरक्षकों सहित कुल 154 यात्रियों का दल आज रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना हुआ। महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा एवं जिले के जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को रवाना किया तथा उनके मंगलमय, सुरक्षित एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि रामलला दर्शन योजना प्रदेश के वरिष्ठजनों एवं श्रद्धालुओं को भगवान राम के दर्शन का सौभाग्य प्रदान करने वाली जनहितैषी योजना है।

अयोध्या धाम में प्रभु रामलला के दर्शन और वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक एवं धार्मिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों के सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। यात्रियों को रवाना करते समय जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा आपसी सहयोग बनाए रखने की अपील की।

इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधियों सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामलला दर्शन योजना के तहत यह चार दिवसीय तीर्थयात्रा कार्यक्रम 23 नवंबर से 26 नवंबर 2026 तक निर्धारित किया गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को

जामुल के विकास के लिए सरकार लगातार उपलब्ध करा रही राशि : अरुण साव

दुर्ग। नगर पालिका परिषद जामुल में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने गजमाला पहनाकर उप मुख्यमंत्री साव का स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जामुल क्षेत्र के विकास के लिए 19 करोड़ 63 लाख 6 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने मानस मंच निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश सरकार के सुशासन में विकास कार्यों को गति मिली है और जनहितकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है।

आवासीय जमीन पर बना दिया व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, नगर पालिका ने थमाया अंतिम नोटिस; तीन दिन में जवाब नहीं तो भवन होगा सील



बेमेतरा। शहर में आवासीय प्रयोजन के लिए स्वीकृत भूमि पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर संचालन शुरू करने का मामला सामने आया है। नगर पालिका प्रशासन ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए भवन मालिक को अंतिम नोटिस जारी किया है। नोटिस में तीन दिन के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने या जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर भवन को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। मामला शहर के वार्ड क्रमांक 8 का है। जानकारी के अनुसार, संबंधित भूमि स्वामी को 22 फरवरी 2022 को 371.74 वर्ग मीटर भूमि पर आवासीय भवन निर्माण की अनुमति दी गई थी। लेकिन स्वीकृत आवासीय उपयोग के विपरीत उक्त भूमि पर व्यावसायिक परिसर का निर्माण कर दिया गया। अब इस परिसर में सोमवार से मॉल का संचालन भी शुरू हो गया है। खास बात यह है कि भवन को लाखों रुपये मासिक किराये पर दिए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

दो नोटिस के बाद भी नहीं मिला संतोषजनक जवाब

नगर पालिका प्रशासन की ओर से भवन मालिक को पहले भी दो बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद अब अंतिम नोटिस जारी किया गया है। इसमें तीन दिनों के भीतर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। जवाब नहीं मिलने की स्थिति में भवन सील करने की चेतावनी दी गई है। आवासीय अनुमति के विपरीत व्यावसायिक निर्माण-प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवासीय भवन निर्माण के लिए स्वीकृत नक्शे और अनुमति के विपरीत व्यावसायिक परिसर का निर्माण किया गया है। नगर पालिका ने इसे छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1984 की धारा 27 (1) के उल्लंघन से जुड़ा मामला बताया है। प्रशासनिक स्तर पर अब इस मामले में आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई : सीएमओ

नगर पालिका बेमेतरा के सीएमओ नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि संबंधित भूमि स्वामी को अंतिम तीसरा नोटिस जारी किया गया है। तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर नियमानुसार भवन सील करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के विरुद्ध होने वाली गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पार्षद ने जताई अनभिज्ञता

वार्ड क्रमांक 08 की पार्षद चांदनी दत्ता ने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वार्ड में नियमों के विरुद्ध होने वाली गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्राम सोढ़ से बेरला होते हुए मलपुरीखुर्द जाते समय दुधनंगा नाला के पास हुई थी झपटमारी की घटना

चलती मोटरसाइकिल से महिला के गले से सोने का गुलबंद हार झपटकर फरार होने वाला आरोपी गिरफ्तार

- **बेमेतरा एवं दुर्ग जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराध घटित करने वाला आरोपी बेमेतरा पुलिस के गिरफ्त में**



बेमेतरा। झपटमारी (चैन स्नेचिंग) करने वाले एवं उसे खरीदने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार ङ्क 01. प्रणत पाल साहू पिता लखन साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी माटरा थाना नंदनी जिला दुर्ग। 2. हेमंत साहू पिता रामअवतार साहू उम्र 48 वर्ष, निवासी जेवरा सिरसा, जिला दुर्ग। आरोपी के कब्जे से सोने का मंगल सूत्र मराठी माला लॉकेट एवं 12 नग सोने का मटर दाना एवं मोटर सायकल सहित कुल जुमला कीमती लगभग 2 लाख 36 हजार रूपये किया गया बरामद। प्रकरण के आरोपी के विरूद्ध कुल चोरी, झपटमारी (चैन स्नेचिंग) के 05 मामले दर्ज। प्रार्थी गंगु राम यादव पिता तुला राम यादव उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम मलपुरीखुर्द थाना नंदनी जिला दुर्ग के द्वारा 16.11.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 15.11.2026 को वह अपनी मोटरसाइकिल में अपनी सास दुरपति यादव, पत्नी सोहद्रा यादव को पीछे बैठाकर ग्राम सोढ़ से बेरला होते हुए मलपुरीखुर्द जाने के लिए निकला था। इस दौरान उसके साढ़ू ओमप्रकाश यादव एवं साली रेंजिता यादव दूसरी मोटरसाइकिल से पीछे आ रहे थे। दोपहर करीब 03:15 बजे जब वे दुधनंगा नाला, बासा बेरला से रायपुर रोड के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति सफेद रंग का गमछा बांधकर मोटरसाइकिल से उनका पीछा करते हुए आया और पीछे बैठी महिला सोहद्रा यादव के गले में पहने सोने के गुलबंद हार को झपटकर खींच लिया तथा मौके से फरार हो गया प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात मोटरसाइकिल चालक आरोपी के विरुद्ध धारा 304(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी प्रणत पाल साहू के कब्जे से 01.एक मराठी माला के सोना का दो नग लॉकेट, मंगल सूत्र सोने का टुकड ।
2. 12 नग सोने का मटर दाना।
03. मोटर सायकल हिरो स्प्लेंडर प्लस कमांक सीजी 07 डीबी 8211 कुल कीमती करीबन 1,66,000/- रूपये।
आरोपी हेमंत साहू से 01.एक सोने का टुटा हुआ नेकलेस किमती करीबन 70,000/- रूपये कुल जुमला कीमती लगभग 2,36,000 /- रूपये (2 लाख 36 हजार रूपये) बरामद किया गया।
जिसमें थाना धमधा प्रकरण के एक मंगल सूत्र का सोने का मराठी माला की दो सोने की पती, 08 नग सोने का मटर दाना।

संक्षिप्त समाचार

अवैध धान भंडारण पर प्रशासन का छापा, 6 कोचियों से 306 क्विंटल से अधिक धान जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बीच अवैध रूप से धान का भंडारण और कारोबार करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। बालोद जिले में प्रशासन की अलग-अलग टीमों ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 6 कोचियों के ठिकानों से 306.4 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया है। वहीं, सभी संबंधित लोगों के खिलाफमंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, धान खरीदी व्यवस्था में गड़बड़ी रोकने और बिचौलियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए प्रशासन लगातार जांच अभियान चला रहा है। इसी दौरान अवैध रूप से धान जमा करने की सूचना मिलने पर टीमों ने कार्रवाई की। जांच में 6 कोचियों के पास बड़ी मात्रा में धान का अनधिकृत भंडारण पाया गया, जिसे जब्त कर लिया गया। वहीं, खाद्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 15 नवंबर 2026 से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के तहत 20 नवंबर तक 5 हजार से अधिक किसानों से कुल 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी में अनियमितता और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

रायपुर-मुंबई फ्लाइट में सोनू निगम का म्यूजिकल सरप्राइज, हवा में गूंजे सुपरहिट गाने

रायपुर। रायपुर से मुंबई जा रही एक फ्लाइट में यात्रियों को ऐसा सरप्राइज मिला, जिसने उनके सफर को खास बना दिया। मशहूर बॉलीवुड गायक सोनू निगम ने विमान में ही अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेर दिया। यात्रियों की फरमाइश पर उन्होंने अपने लोकप्रिय गाने सुनाए, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, सोनू निगम रायपुर से मुंबई लौट रहे थे। इसी दौरान फ्लाइट में मौजूद यात्रियों ने उनसे अपने पसंदीदा गाने सुनाने की गुजारिश की। सोनू निगम ने भी अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और 'हर घड़ी बदल रही है जिंदगी' तथा 'बिजुरिया' जैसे लोकप्रिय गाने गाकर माहौल खुशनुमा कर दिया। अचानक मिले इस खास तोहफे से यात्री बेहद उत्साहित नजर आए और कई लोग उनके साथ गुनगुनाते दिखाई दिए। बता दें कि सोनू निगम रायपुर में आयोजित रायपुर एम्स के ओरियाना फेस्ट में लाइव परफॉर्मेंस देने पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद मुंबई वापसी के दौरान उन्होंने फ्लाइट में यात्रियों को यादगार पल दे दिया। अब इस अनोखे म्यूजिकल मोमेंट का वीडियो इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

अकवान तूफान से छत्तीसगढ़ में बदला मौसम, 9 डिग्री गिरा तापमान, भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। चक्रवाती तूफान अकवान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश, तेज हवाओं और बादलों के कारण ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश, गरज-चमक और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन के साथ कृषि कार्यों पर भी पड़ रहा है। खेतों और खलिहानों में कटाई के बाद खुले में रखी धान की फसल भीगने का खतरा बढ़ गया है। वहीं समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के बाद खरीदी केंद्रों में खुले परिसर में रखी धान की बोरियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में दिनभर बारिश होती रही। इसके चलते अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री गिरकर 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में 11.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि अंबिकापुर में अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री रहा। शनिवार को भी रायपुर में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम 19 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। तूफान कमजोर पड़ने के बाद भी उससे जुड़े मौसमी तंत्र के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है।

गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए खुले निजी स्कूलों के द्वार

रायपुर। जिले के असुविधाग्रस्त और दुर्बल वर्ग के बच्चों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने कमर कस ली है। नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (ऋक्षश्व) अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (ष्ट) के तहत, सत्र 2027-28 के लिए जिले की 19 निजी शालाओं में कक्षा पहली की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया आगामी 01 दिसंबर से 31 दिसंबर 2026 तक संचालित की जाएगी। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल के अंतर्गत बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) परिवारों, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांग, अनाथ, एचआईवी पॉजिटिव तथा तृतीय लिंग के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा का लाभ मिलेगा, जिनकी शिक्षण शुल्क की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय धनोरा में आयोजित भगवान सहस्रबाहु अर्जुन जयंती कलार महोत्सव में हुए शामिल

समाज के हर वर्ग की उन्नति से ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव

- भगवान सहस्रबाहु अर्जुन के आदर्श न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं : मुख्यमंत्री श्री साय
- मुख्यमंत्री ने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक एकता और प्रदेश के विकास में योगदान की सराहना की

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज कोण्डागांव जिले के ग्राम धनोरा में आयोजित 'राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती कलार महोत्सव' में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता की सराहना करते हुए कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का जीवन न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण के उच्च आदर्शों का प्रतीक है। उनके आदर्श हमें समाज की सेवा और जनहित के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग की उन्नति में ही प्रदेश की समृद्धि निहित है और राज्य सरकार इसी भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महोत्सव में उपस्थित समाजजनों को भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलार समाज का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। सातवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक लगभग एक हजार वर्षों तक देश के विभिन्न क्षेत्रों में कलचुरी वंश का वैभवशाली शासन रहा। इस गौरवशाली विरासत



को संजोते हुए कलार समाज आज शिक्षा, कृषि, व्यापार, व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने समाज की एकजुटता, परिश्रम और सामाजिक समरसता की भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही प्रदेश की प्रगति को नई दिशा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री की गारंटी को पूरा करने की दिशा में सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों को स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी का महाअभियान प्रारंभ हो चुका है। किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और खेती को लाभकारी बनाना राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है और चरण पादुका योजना पुन: प्रारंभ की गई है। प्रदेश के 5.5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

हवालबाग में बिहार के किसानों ने सीखी श्री अन्न की उन्नत खेती

रायपुर/ संवाददाता

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग में 16 से 20 नवंबर तक अन्न की उन्नत उत्पादन तकनीक, मूल्य संवर्धन एवं संरक्षित खेती विषय पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की योजना के तहत परियोजना निदेशक, गया (बिहार) द्वारा प्रायोजित किया गया। इसमें बिहार के गया जिले से 20 पुरुष कृषकों सहित आत्मा परियोजना के एक सहायक तकनीकी प्रबंधक समेत कुल 21 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को श्री अन्न यानी मिलेट्स एवं पोषक अनाजों के पोषण सुरक्षा में महत्व, उच्च उपजशील प्रजातियों, उन्नत उत्पादन तकनीक, पादप सुरक्षा, मूल्यवर्धित उत्पाद एवं व्यंजन विधियों तथा कटाई उपरांत प्रबंधन सहित विभिन्न पहलुओं की जानकारी व्याख्यान और भ्रमण के माध्यम से दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों को श्री अन्न फसलों की बीज गुणवत्ता प्रबंधन, संरक्षित खेती की उन्नत तकनीकों, उपज वृद्धि में पादप वृद्धि संवर्धक सूक्ष्मजीवों की भूमिका तथा जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादन पद्धतियों के बारे में प्रदर्शनों के माध्यम से जानकारी दी। समन्वयकों ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिकूल परिस्थितियों से श्री अन्न फसलों की सुरक्षा, मृदा उर्वरता में सुधार, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को अपनाकर टिकाऊ उत्पादन एवं किसानों की आय बढ़ाने के उपायों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के अंतर्गत किसानों को आदर्श ग्राम भगरतोला में प्रगतिशील कृषकों के खेतों का भ्रमण भी कराया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त ने किसानों को संबोधित करते हुए पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में श्री अन्न फसलों के महत्व तथा जलवायु परिवर्तन की वर्तमान परिस्थितियों में इनकी बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

जुआ फड़ पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 6 जुआरी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस अधीक्षक कोरिया हरीश राठौर के निर्देशन में अवैध जुआ के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ग्राम घुघरा में मंदिर के पीछे तालाब के पास चल रहे जुआ फड़ पर दबिश दी। इस कार्रवाई में मौके पर दांव लगा रहे छह आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया है। पकड़े गए जुआरियों में ग्राम कटगोड़ी निवासी समय लाल (32 वर्ष), चन्द्र शेखर राजवाड़े (38 वर्ष), मुकेश तिर्की (37 वर्ष) और अनिल कुमार दुबे (38 वर्ष) शामिल हैं। इनके साथ ही कच्छार निवासी अरविन्द पाण्डेय (38 वर्ष) और बैकुंठपुर निवासी राजेश कुमार (40 वर्ष) को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआ फड़ से 22,900 नकद, 31,000 कीमत की एक स्कूटी, 24,000 कीमत के पांच मोबाइल फोन और 50 कीमत की एक चटाई जब्त की है।

दीपक बैज का सरकार पर तीखा हमला

बिजली बिल से लेकर नशे के कारोबार और बस्तर के मुद्दों पर उठाए सवाल.....

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने गौरेला दौरे के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिजली बिलों में बढ़ोतरी, स्मार्ट मीटर, नशे के अवैध कारोबार, महतारी वंदन योजना और बस्तर में आदिवासियों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। बिजली बिलों को लेकर दीपक बैज ने एक उपभोक्ता का बिल दिखाते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में एक महीने का बिजली बिल 33 हजार 710 रुपये आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आम उपभोक्ता बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान हैं। बैज ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटर के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। वहीं, महतारी वंदन योजना पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने इस योजना के जरिए राजनीतिक लाभ लिया है, जबकि आम जनता को अपेक्षित फायदा नहीं मिला। प्रदेश में नशे के बढ़ते अवैध कारोबार पर चिंता जताते हुए बैज ने कोरबा के एक हालिया वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सूखा नशा, अवैध शराब, गांजा, चरस, अफीम और नशीली दवाओं का कारोबार तेजी से फैल रहा है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर भी सवाल उठाए और कहा कि इस पर केंद्र तथा राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए। उनके मुताबिक, नशे की गिरफ्त में युवा और बच्चे आ रहे हैं, जिससे परिवारों की चिंता बढ़ रही है। बस्तर की स्थिति पर बोलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नक्सलवाद के नाम पर आदिवासियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और उनकी आवाज दबाई जा रही है।

चार जिलों में निर्माण कार्यों की पड़ताल, लोक निर्माण विभाग के सचिव ने दिए सख्त निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने लगातार दो दिनों तक चार जिलों में सड़कों, पुल-पुलियों, कॉलेजों, अस्पताल और अन्य निर्माण एवं संधारण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों में विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता परखी तथा अधिकारियों और ठेकेदारों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। बंसल ने निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार और सड़क संधारण में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने, बैंक गारंटी राजसात करने तथा सुधार नहीं होने पर ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी, गुणवत्ता मानकों के पालन और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। लोक निर्माण के सचिव बंसल ने प्रमुख अभियंता व्ही.के. भतपहरी, अंबिकापुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता के.पी. संत, अंबिकापुर मंडल के अधीक्षण अभियंता आर.एस. तोमर तथा संबंधित संभागों के कार्यपालन अभियंताओं व अनुविभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ जशपुर, मनोरा, सन्ना, बगीचा, कांसाबेल, बागबहार, कोतबा, लुड़ेग, सीतापुर, पत्थलगांव, मैनपाट, दरिमा, राजपुर, प्रतापपुर, भैयाथान और सूरजपुर में सड़कों की स्थिति तथा विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने सड़क संधारण में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सरगुजा जिले में दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के निरीक्षण के दौरान संधारण अवधि में संबंधित ठेकेदारों द्वारा समुचित रखरखाव नहीं किए जाने की स्थिति सामने आई। इस पर सचिव बंसल ने दोनों मार्गों के ठेकेदारों की बैंक गारंटी राजसात करने के संबंध में नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों द्वारा संधारण कार्य नहीं किए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने दरिमा-मैनपाट मार्ग पर रिटेनिंग वॉल, पुल-पुलियों और गार्डवॉल में पेंटिंग कराने के भी निर्देश दिए।

सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल बने राजू लाल नंवरगे जनजातीय गौरव दिवस पर किया स्टेशनरी सामग्री का दान

रायपुर। समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी भावना के साथ स्वास्थ्य विभाग में डीपीएचएनओ के पद पर पदस्थ राजू लाल नंवरगे ने सेवा और सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की है। पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस एवं वीरांगना शौर्य उत्सव के अवसर पर नंवरगे ने सेवा संकल्प स्टेशनरी दान अभियान के अंतर्गत स्टेशनरी सामग्री का दान किया। उनकी इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना तथा उन्हें पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में योगदान देना है। राजू लाल नंवरगे की यह पहल इस बात का संदेश देती है कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि सेवा भावना और सकारात्मक सोच की आवश्यकता होती है। उनका यह योगदान शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करने वाला है।

धान की कमाई से खरीदी जमीन, अब पक्के मकान का सपना साकार करने की तैयारी



- ऑनलाइन टोकन से आसान हुआ धान विक्रय, पहले बेच चुके 20 क्विंटल धान, अब 22 क्विंटल के लिए मिला दूसरा टोकन

रायपुर/ संवाददाता

मेहनत की फसल जब उचित मूल्य और सुविधाजनक बाजार व्यवस्था का साथ पाती है, तो किसान के जीवन में खुशहाली के साथ नए सपने भी आकार लेने लगते हैं। धमतरी जिले के ग्राम खरतुली निवासी किसान श्री इलोक राम साहू की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है। कभी परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित खेती की आमदनी अब उनके लिए आर्थिक सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार बन रही है।धान बेचकर अर्जित आय से पिछले वर्ष पांच डिसमिल जमीन खरीदने वाले श्री साहू अब उसी जमीन पर अपने परिवार के लिए सुंदर पक्का मकान बनाने का सपना संजो रहे हैं। सेवा सहकारी समिति लोहरसी से जुड़े किसान श्री इलोक राम साहू लगभग चार एकड़ कृषि भूमि में धान की खेती करते हैं। खेती ही उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से धान का अच्छा मूल्य मिलने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। खेती से प्राप्त आमदनी का उपयोग वे घरेलू आवश्यकताओं के साथ भविष्य के लिए बचत और संपत्ति निर्माण में कर रहे हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त राशि से पांच डिसमिल जमीन खरीदी। अब उनकी इच्छा है कि आने वाले कुछ वर्षों में इस जमीन पर पक्का मकान बनाकर माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ बेहतर सुविधाओं वाले घर में जीवन बिताएं। श्री साहू ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों को बड़ी सुविधा मिली है। वे इस खरीदी सीजन में पहले ही 20 क्विंटल धान बेच चुके हैं। अब उन्हें 22 क्विंटल धान विक्रय के लिए दूसरा टोकन भी प्राप्त हो गया है। उनके अनुसार ऑनलाइन टोकन मिलने से उपार्जन केंद्र के अनावश्यक चक्कर लगाने और लंबे इंतजार की परेशानी कम हुई है। किसान अपनी निर्धारित तिथि के अनुसार धान विक्रय की तैयारी कर सकते हैं। इससे समय और श्रम की बचत होने के साथ खेती के अन्य कार्यों के लिए भी पर्याप्त अवसर मिल रहा है। श्री साहू ने धान उपार्जन केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि किसानों के लिए पेयजल, बैठने की सुविधा और पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था की गई है। केंद्र में माइक्रो एटीएम की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आवश्यक बैंकिंग लेनदेन में सहूलियत मिलती है।

देश की विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत- अरुण साव

वंदे मातरम शिविर' में छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री, दिया सफलता का मंत्र...

- सप्ताह भर के प्रवास में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से हुए रू-ब-रू, उप मुख्यमंत्री से साझा किए अपने अनुभव

रायपुर/ संवाददाता



उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं ने मुलाकात की। भारत सरकार के 'वंदे मातरम शिविर' के तहत त्रिपुरा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से कुल 150 युवा छत्तीसगढ़ आए हुए हैं। सप्ताह भर के भ्रमण के दौरान ये युवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से रू-ब-रू हुए। उन्होंने एक-दूसरे के राज्यों की संस्कृति खानपान और रहन-सहन के बारे में भी जाना। प्रवास के अंतिम दिन उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। देश के युवाओं में वह योग्यता, क्षमता और आत्मविश्वास है, जिससे भारत को दुनिया में अग्रणी बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की संस्कृति, सभ्यता और गौरव के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सात दिनों के इस 'वंदे मातरम शिविर' से आप केवल अनुभव लेकर नहीं, बल्कि जीवनभर काम आने वाली अनमोल पूंजी लेकर लौट रहे हैं। यहां मिले अनुभव कठिन परिस्थितियों का सामना करने की ताकत और आत्मविश्वास देंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सात दिनों में आपने 200 दोस्त ही नहीं बनाए, बल्कि देशभर में 200 नए परिवारों से रिश्ते जोड़े हैं। यही आत्मीयता, स्नेह और आपसी जुड़ाव भारत की वास्तविक ताकत है। श्री साव ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में एकता है।

संपादकीय

कश्मीर में आखिरी स्थानीय आतंकी के मारे जाने का दावा, क्या अब कमजोर होगा आतंक का नेटवर्क

जब कोई बड़ा आतंकवादी घाटी में मारा जाता है, तब सरकार की प्रतिक्रिया आमतौर पर ऐसी होती है, मानो वहां इस समस्या का अंत हो गया है। मगर फिर कुछ समय बाद कोई आतंकी हमला यह बताने के लिए काफी होता है कि वहां अब भी इस समस्या की जटिलता में कमी नहीं आई है।इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुई मुठभेड़ में एक आतंकी का मारा जाना एक बड़ी कामयाबी है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मारे गए व्यक्ति को घाटी का आखिरी स्थानीय आतंकी बताया। पिछले काफी समय से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या किस स्तर पर कायम है, यह छिपा नहीं है।हर कुछ दिनों के बाद जिस तरह सुरक्षाबलों के शिविरों पर आतंकियों ने हमले जारी रखे हैं, उसमें जवान शहीद या घायल होते रहे, उससे साफ है कि राज्य में आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए तमाम अभियानों में आतंकियों को खत्म करने के दावे जरूर किए गए, लेकिन हर अगली घटना यह बताती रही कि अभी वहां यह समस्या अपने जटिल स्वरूप में मौजूद है।गौरतलब है कि आतंकियों की गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने देवसर इलाके के जंगलपोरा गांव में खोज अभियान चलाया था। वहीं आत्मसमर्पण से इनकार करने पर लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर लतीफ भट को मुठभेड़ में मार गिराया गया।जाहिर है, समूची घाटी में आतंकवाद का जाल जिस तरह काम करता है और उसमें आए दिन सुरक्षाबलों से लेकर आम लोगों को निशाना बनाया जाता है, उसमें लतीफ भट का खात्मा एक बड़ी उपलब्धि है। अगर उसके घाटी का आखिरी स्थानीय आतंकी होने के बारे में सरकार के दावे सही हैं, तो उसका मारा जाना इस लिहाज से भी अहम है कि सीमा पार के आतंकी संगठनों की एक बड़ी ताकत स्थानीय आबादी में फैला उनका जाल ही होता है।ऐसे में अगर लतीफ भट कश्मीर में इसी भूमिका में था, तो उसकी मौत के बाद अब आतंक के दुश्चक्र के एक मजबूत आधार को कमजोर करने में मदद मिलनी चाहिए, क्योंकि कई बार बाहरी हस्तक्षेप का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है, लेकिन जब उसे स्थानीय समर्थन और संरक्षण मिलता है, तो उसकी पकड़ को ढीला करना एक चुनौती होती है।विचित्र यह है कि जब कोई बड़ा आतंकवादी घाटी में मारा जाता है, तब सरकार की प्रतिक्रिया आमतौर पर ऐसी होती है, मानो वहां इस समस्या का अंत हो गया है। मगर फिर कुछ समय बाद कोई आतंकी हमला यह बताने के लिए काफी होता है कि वहां अब भी इस समस्या की जटिलता में कमी नहीं आई है।सही है कि बीते कुछ समय से सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र के बीच बेहतर तालमेल की वजह से आतंकियों के स्थानीय संजाल को कमजोर करने में मदद मिली है।

सपा-कांग्रेस गठबंधन : सीटों के पेच में उलझती सियासी राह

2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों का कड़वा अनुभव दोनों दलों के सामने एक जीवंत उदाहरण है। उस समय सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी, जिसका खामियाजा पूरे गठबंधन को सत्ता से दूर रहकर भुगतना पड़ा था। सपा नेतृत्व कतई नहीं चाहेगा कि 2027 में 2017 की उस ऐतिहासिक भूल को दोहराया जाए। दूसरी ओर, कांग्रेस की अपनी मजबूरियां और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते यदि वह उत्तर प्रदेश जैसे सबसे बड़े राज्य में केवल 50 या 60 सीटों पर सिमट जाती है।

(अशोक भाटिया)

गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी।

उत्तर प्रदेश की सियासी धरती हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा तय करती रही है। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की आहट तेज होने के साथ ही विपक्षी खेमे, विशेषकर इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख स्तंभों–समाजवादी पार्टी और कांग्रेस–के बीच सीटों के तालमेल को लेकर हलचल अपने चरम पर है। नई दिल्ली में 17 नवंबर 2026 को दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच सीट बंटवारे पर होने वाली बहुप्रतीक्षित औपचारिक बैठक का ऐन वक्त पर टल जाना, सियासी गलियारों में कई तरह की अटकलों और चर्चाओं को जन्म दे रहा है। हालांकि, इस स्थगन को केवल टकराव के रूप में देखने के बजाय गठबंधन की आंतरिक जटिलताओं, महत्वाकांक्षाओं के टकराव और चुनावी यथार्थ के बीच संतुलन साधने की एक कठिन कवायद के रूप में समझा जाना चाहिए। बैठक टलने के पीछे भले ही समन्वय समितियों के गठन और प्रारंभिक तैयारी का हवाला दिया गया हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या और दावेदारी को लेकर अभी तक कोई सर्वमान्य फॉर्मूला नहीं बन पाया है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में कांग्रेस की वह प्रारंभिक सूची है, जिसमें उसने उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस के इस प्रस्ताव ने समाजवादी पार्टी के खेमे में स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा कर दी है। सपा नेतृत्व, जो राज्य में मुख्य विपक्षी दल होने के नाते खुद को गठबंधन के बड़े भाई की भूमिका में देखता है, इतनी बड़ी संख्या में सीटें छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न समाचार माध्यमों की खबरों के अनुसार, समाजवादी पार्टी कांग्रेस को 50 से 80 सीटों के दायरे में ही सीमित रखना चाहती है। सीटों की मांग और पेशकश के बीच का यह विशाल अंतर ही वह मुख्य पेच है, जिसके चलते 17 नवंबर की औपचारिक बैठक को तीन-चार दिनों के लिए आगे बढ़ाना पड़ा। सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ हुई अनौपचारिक बातचीत में यह सहमति बनी कि शीर्ष स्तर पर अंतिम मुहर लगने से पहले दोनों दल अपनी-अपनी समन्वय समितियों के माध्यम से



जमीनी हकीकत और दावेदारी का आकलन करें। कांग्रेस ने इसके लिए प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और इमरान मसूद जैसे वरिष्ठ नेताओं की पांच सदस्यीय समिति का गठन कर अपनी गंभीरता दर्शाई है।

गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थीं, जिससे विपक्षी गठबंधन को एक नई संजीवनी प्राप्त हुई थी। कांग्रेस का मानना है कि लोकसभा चुनावों के बाद राज्य में उसका जनाधार बढ़ा है और संगठन में नई जान फूंकी गई है। इसी आधार पर कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 67, अवध क्षेत्र की 51 और बुंदेलखंड की 9 सीटों सहित कुल 181 सीटों की सूची तैयार की है। कांग्रेस के रणनीतिकारों का यह भी तर्क है कि यदि 2024 के लोकसभा परिणामों के अनुपात को आधार बनाया जाए, तो भी उसे सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी के पास 2022 के विधानसभा चुनावों के ठोस आंकड़े हैं, जो कांग्रेस के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने दम पर लड़ते हुए महज दो सीटों पर जीत हासिल की थी, उसका वोट प्रतिशत चार फीसदी से भी नीचे (3.84 प्रतिशत) सिमट गया था और उसके अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इसके अलावा, हाल के वर्षों में हुए विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भी सपा को यह अहसास कराया है कि जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती और कैडर वोट का हस्तांतरण ही जीत की असली गारंटी है।

अखिलेश यादव ने दिल्ली पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक कसौटी का उल्लेख किया है–जिताऊ क्षमता)। उनका स्पष्ट कहना है कि गठबंधन का मुख्य उद्देश्य अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को हराना है, और इसलिए जिस सीट पर जिस दल का उम्मीदवार जीतने की सबसे मजबूत स्थिति में होगा, वही वहां से चुनाव लड़ेगा। राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर सपा प्रमुख का यह तर्क अत्यंत वजनदार प्रतीत होता है। गठबंधन की राजनीति में अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई सहयोगी दल अपनी वास्तविक संगठनात्मक क्षमता से अधिक सीटों की जिद पकड़ लेता है और कमजोर उम्मीदवार मैदान में उतारता है, तो उसका सीधा लाभ विरोधी खेमे को मिलता है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों का कड़वा अनुभव दोनों दलों के सामने एक जीवंत उदाहरण है। उस समय सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी, जिसका खामियाजा पूरे गठबंधन को सत्ता से दूर रहकर भुगतना पड़ा था। सपा नेतृत्व कतई नहीं चाहेगा कि 2027 में 2017 की उस ऐतिहासिक भूल को दोहराया जाए। दूसरी ओर, कांग्रेस की अपनी मजबूरियां और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते यदि वह उत्तर प्रदेश जैसे सबसे बड़े राज्य में केवल 50 या 60 सीटों पर सिमट जाती है, तो इससे न केवल राज्य के शेष हिस्सों में उसका संगठन पूरी तरह निष्क्रिय हो जाएगा, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी उसके मनोबल और सौदेबाजी की ताकत पर नकारात्मक असर पड़ेगा। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व उन सीटों पर भी दावा ठोक रहा है जहां पिछली बार सपा के विधायक जीते थे या सपा दूसरे स्थान पर रही थी, जिससे स्थानीय स्तर पर सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष पनपना स्वाभाविक है।

इस सियासी रस्साकशी के बीच यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश का चुनावी मैदान केवल दो ध्रुवों तक सीमित नहीं है। एक तरफ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी है, जो अपने मजबूत बूथ प्रबंधन, सामाजिक इंजीनियरिंग और डबल इंजन सरकार की योजनाओं के दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। वहीं दूसरी तरफ, बहुजन समाज पार्टी और अन्य छोटे क्षेत्रीय दलों की उपस्थिति भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। ऐसे बहुकोणीय या त्रिकोणीय मुकाबले में विपक्षी वोटों का जरा सा भी बिखराव सपा और कांग्रेस दोनों के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव दोनों ने सार्वजनिक रूप से यह दोहराया है कि इंडिया गठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा और जनता के सामने एक मजबूत विकल्प पेश करेगा। लेकिन शीर्ष नेताओं की यह सद्भावना तभी फलीभूत हो सकती है जब वह जमीनी कार्यकर्ताओं के स्तर तक पहुंचे। यदि सीटों के बंटवारे की घोषणा से पहले ही सूची लीक होने और एक-दूसरे की सीटों पर दावेदारी जताने का सिलसिला यूं ही चलता रहा, तो इससे मतदाताओं के बीच भ्रम और अविश्वास का संदेश जाएगा। दरअसल अब 17 नवंबर की बैठक का टलना कोई पूर्ण विराम नहीं, बल्कि एक अल्पविराम है। राजनीति को संभावनाओं और समझौतों की कला कहा जाता है। आने वाले दिनों में जब दोनों दलों की समन्वय समितियां आमने-सामने बैठेंगी, तो उन्हें आंकड़ों की बाजीगरी और अहं के टकराव से ऊपर उठकर वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाना होगा। कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की धुरी समाजवादी पार्टी ही है और उसकी सांगठनिक ताकत के बिना भाजपा को चुनौती देना असंभव है। वहीं, समाजवादी पार्टी को भी बड़े भाई का उदार हृदय दिखाते हुए कांग्रेस को इतनी सम्मानजनक हिस्सेदारी अवश्य देनी होगी, जिससे कांग्रेस का पारंपरिक और अल्पसंख्यक मतदाता पूरे उत्साह के साथ गठबंधन के पक्ष में लामबंद हो सके। सीटों की इस बिसात पर यदि दोनों दल अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं को तिलांजलि देकर केवल %जीत% के साझा लक्ष्य पर केंद्रित होते हैं, तो निश्चित रूप से बात बन सकती है। अन्यथा, तालमेल की यह देरी और आपसी अविश्वास 2027 की चुनावी जंग शुरू होने से पहले ही विपक्ष की धार को कुंद कर सकता है।वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

जीवन को कल पर टालते-टालते कहीं जीना ही न भूल जाएं

(लोकेंद्र सिंह कोट)

किसी साधारण अनुभव में छिपा सवाल हो या सामने मौजूद कोई बड़ी समस्या, दोनों पर सोचने के लिए जिज्ञासा और धैर्य चाहिए। मनुष्य को अपने जाने का ज्ञान है। इसीलिए वह घर बनाता है, तस्वीर खिंचवाता है और बच्चों के चेहरे में अपना थोड़ा-सा भविष्य खोजता है। उसे मालूम है कि एक दिन यह सब छोड़ना होगा, फिर भी वह दीवार पर अपनी पसंद का रंग करवाता



है। जाना अनिवार्य है। यह बात हमें उदास भी कर सकती है, लेकिन बहुत कुछ इस पर निर्भर है कि इसे हम भय की तरह संभालते हैं या समय की कीमत बताने वाली एक शांत सूचना की तरह।

हमारे यहां जीवन अक्सर स्थगित मिलता है। पढ़ाई पूरी हो जाए, नौकरी लग जाए, अपना घर बन जाए, बच्चों का भविष्य संवर जाए- फिर थोड़ा आराम से जिएंगे। इच्छाओं की इस लंबी कतार में जीवन सबसे पीछे खड़ा रहता है। जीवन की आवश्यकताएं वास्तविक हैं। रोटी, छत और बच्चों की फीस को कविता सुनाकर टाला नहीं जा सकता, लेकिन इन्हीं के बीच चाय का एक प्याला धीरे-धीरे पिया जा सकता है। किसी शाम छत पर जाकर आकाश देखा जा सकता है। जिसे सुनने की इच्छा बरसों से है, उसे फोन किया जा सकता है। हम पूरे जीवन के लिए एक अनुकूल दिन चाहते हैं। जीवन थोड़ी-सी जगह आज मांगता है। रसोई में सिंकती रोटी, पुराने संदूक से निकलती चिट्ठी, सर्दियों की धूप में रखी कुर्सी- इन सबके पास हमें देने के लिए कुछ है। मगर हमारी दृष्टि बड़ी घटनाओं की अभ्यस्त हो गई है। एक वृद्ध को प्रतिदिन घर के बाहर रखे टूटे गमले में पानी देते देखा था। उसमें तुलसी अपने आप उग आई थी। उन्होंने बताया- 'किसी ने लगाई नहीं। अब आ गई है, तो संभाल लेते हैं।' कहते समय उनके चेहरे पर जो तृप्ति थी, उसमें साथ निभाने का सुख था। जीना सीखने का एक अर्थ अपनी संवेदना को बचाए रखना भी है। फूल देखकर रुक सकें, किसी की थकान पहचान सकें, बच्चे की अधूरी कहानी सुन सकें। संसार की सुंदरता बहुत बार धीमी आवाज में पुकारती है। उसे सुनने के लिए भीतर का शोर कुछ कम करना पड़ता है।

हर घर में कुछ अदृश्य कुर्सियां होती हैं। एक पर पिता का इंतजार बैठा रहता है, दूसरी पर मां की बातचीत, तीसरी पर किसी पुराने मित्र की शिकायत। हम आते-जाते उन्हें देखते हैं और सोचते हैं- कभी फुरसत से बैठेंगे। फिर एक दिन सचमुच कुर्सी खाली हो जाती है। उसके बाद स्मृतियां छोटी-छोटी बातों को बड़ा बना देती हैं। याद आता है कि उन्होंने साथ चाय पीने को कहा था। कोई पुरानी घटना सुनानी चाही थी। मनुष्य की अनुपस्थिति उसके साधारण आग्रहों को भी कितना गहरा कर देती है! किसी बुजुर्ग के साथ अस्पताल की बेंच पर बैठे रहना, जीवनसाथी की बात बीच में काटे बिना सुनना, मित्र की आवाज में छिपी उदासी पहचान लेना- यहीं संबंधों की वास्तविक भाषा बनती है। जिन्हें हम अपना कहते हैं, उनके लिए हमारे पास समय भी होना चाहिए। केवल उनके सुख की व्यवस्था कर देना पर्याप्त नहीं। कभी-कभी उन्हें हमारी उपस्थिति चाहिए होती है- बिना घड़ी देखने की बेचैनी के, बिना किसी अगले काम की छाया के।

कई संबंध किसी बड़े अपराध से नहीं टूटते। उनके बीच एक छोटा-सा वाक्य अटक जाता है- पहले वह बोले। जिस बात को एक शाम की बातचीत सुलझा सकती थी, उसे वर्षों की चुप्पी विरासत बना देती है। अहंकार का विचित्र स्वभाव है। वह हमें जीत का आश्वासन देता है और बदले में आत्मीयता ले लेता है। हम अपने तर्कों की रक्षा करते रहते हैं, जबकि भीतर कहीं किसी परिचित आवाज को सुनने की इच्छा बनी रहती है। कुछ दूरियां अपनी गरिमा और सुरक्षा के लिए आवश्यक होती हैं। पर जहां केवल रूठने की धूल जमी हो, वहां एक बार खिड़की खोलने में क्या हानि है? जीवन में शोक भी है, असफलता या फिर बीमारी भी। ऐसे समय मन को उपदेश से अधिक सहारे की आवश्यकता होती है। जिसने अपना प्रिय खोया है, उसके सामने संसार कुछ समय तक अपरिचित बना रहता है। बाजार खुलता है, दूध आता है, अखबार दरवाजे पर गिरता है। उसे आश्चर्य होता है कि इतना कुछ घट जाने के बाद भी सब पहले जैसा कैसे चल रहा है। धीरे-धीरे वही साधारण क्रम उसे जीवन से फिर जोड़ता है। कोई पड़ोसी भोजन रख जाता है। कोई बिना समझाए पास बैठता है। किसी दिन खिड़की के बाहर का पेड़ फिर दिखाई देने लगता है। दुख से गुजरने की अपनी गति होती है। आंसू को समय देना, सहायता स्वीकार करना और आवश्यकता पड़ने पर उपचार लेना भी जीवन के प्रति जिम्मेदारी है। बहुत बार जीना सीखना इतना ही होता है कि आज का दिन किसी तरह पार कर लें और कल के लिए भीतर थोड़ी जगह बची रहने दें।

इंडिया-जापान 2प्लस 2 डायलाग्स बेहद सफल रहा, अब ड्रैगन की मनमानी पर लगेगी लगाम

जापान 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक पड़ाव से पहले टोक्यो की 2+2 वार्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई सामरिक दिशा दे दी है। बहरहाल, संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। हिंद-प्रशांत में अब शक्ति संतुलन केवल चीन की सैन्य क्षमता से तय नहीं होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, नौसैनिक ताकत, रक्षा उत्पादन क्षमता और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर एक ऐसा रणनीतिक विकल्प तैयार कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी बीजिंग के लिए आसान नहीं ...

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि टोक्यो में आयोजित इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया। खासतौर पर जापान की अत्याधुनिक तकनीक और भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को एक साथ जोड़ने की रणनीति महत्वपूर्ण है।

टोक्यो में भारत और जापान के बीच हुई 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बदलती सामरिक तस्वीर में एक नया संदेश दे दिया है। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग, अत्याधुनिक सैन्य तकनीक, नौसैनिक सुरक्षा और रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाई पर ले जाने का जो संकल्प दिखाया है, वह चीन की बढ़ती सैन्य महत्वाकांक्षाओं के बीच बेहद अहम माना जा रहा है। दुनिया देख रही है कि भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाली मजबूत रणनीतिक ताकत के रूप में उभर रहे हैं। इस बैठक से साफ हो गया है कि भारत अपनी कूटनीतिक सूझबूझ और सामरिक क्षमता के दम पर हिंद-प्रशांत में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है और जापान के साथ मिलकर चीन के लिए नई रणनीतिक चुनौतियां खड़ी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि टोक्यो में आयोजित इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया। खासतौर पर जापान की अत्याधुनिक तकनीक और भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को एक साथ जोड़ने की रणनीति महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने डिजाइन विथ जापान,मैक इन इंडिया' के तहत रक्षा विनिर्माण सहयोग को गति देने पर सहमति जताई



है। इसका अर्थ है कि भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के विकास और उत्पादन में भी बड़ी भूमिका निभाएगा।

इस वार्ता का एक बड़ा परिणाम निकोरन परियोजना से जुड़े रक्षा समझौतों को जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता है। यह जहाजों पर इस्तेमाल होने वाली एकीकृत संचार एंटीना प्रणाली है। इसके अलावा दोनों देश नौसैनिक जहाजों के डिजाइन और निर्माण, समुद्र के भीतर निगरानी, मिसाइल तकनीक और पानी के नीचे इस्तेमाल होने वाली रक्षा प्रणालियों में सहयोग बढ़ाएंगे। भारत और जापान ने एक-दूसरे के नौसैनिक जहाजों की मरम्मत और रखरखाव की सुविधाओं का इस्तेमाल करने की दिशा में भी तेजी लाने का फैसला किया है।

देखा जाये तो समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर यह साझेदारी चीन के लिए विशेष महत्व रखती है। हिंद महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर तक समुद्री व्यापारिक मार्गों पर चीन की बढ़ती सक्रियता लंबे समय से क्षेत्रीय देशों की चिंता का विषय रही है। भारत हिंद महासागर में एक प्रमुख सामरिक शक्ति है, जबकि जापान पूर्वी एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री क्षमता रखता है। दोनों देशों के बीच समुद्री सूचनाओं का आदान-प्रदान, मेरीटाइम डोमन अवरनेस , संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और माइन काउंटरमेजर्स क्षमता बढ़ाने का फैसला एक-दूसरे की सामरिक ताकत को जोड़ने जैसा है। इससे चीन के लिए समुद्री क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को बिना निगरानी के आगे बढ़ाना पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

साथ ही जापानी मीडिया की रिपोर्टिंग में भी इस घटनाक्रम का चीन से जुड़ा रणनीतिक पहलू साफ दिखाई देता है। जापानी समाचार एजेंसी जिजी प्रेस की रिपोर्ट में 2+2 वार्ता के एजेंडे में चीन और उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर विचार-विमर्श को प्रमुखता दी गई है। वहीं जापान के विदेश मंत्रालय ने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत तथा आर्थिक सुरक्षा को दोनों देशों के सहयोग के महत्वपूर्ण आधार के रूप में रेखांकित किया है। जापानी मीडिया के इस रुख से स्पष्ट है कि टोक्यो भारत को केवल एक बड़े बाजार या आर्थिक साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि एशिया के सामरिक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश के रूप में देख रहा है।

साथ ही पश्चिमी मीडिया का विश्लेषण भी इस साझेदारी की अहमियत समझने के लिए महत्वपूर्ण है। पश्चिमी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव, ताइवान के मुद्दे पर टकराव और चीन द्वारा जापान के खिलाफ महत्वपूर्ण खनिजों तथा दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीक के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लेख किया है। ऐसे माहौल में भारत के साथ जापान का रक्षा और तकनीकी सहयोग उसकी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वार्ता के बाद स्पष्ट किया है कि भारत-जापान सहयोग का व्यापक उद्देश्य बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पुरानी रणनीतिक धारणाएं अब बदल रही हैं और देशों को अपनी सुरक्षा तथा वैश्विक हितों के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यह बयान भारत की बदलती कूटनीतिक सोच को दर्शाता है। दरअसल, भारत किसी एक शक्ति के पीछे खड़ा होने के बजाय अपने हितों के अनुरूप विभिन्न देशों के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारियां विकसित कर रहा है।

साथ ही सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत-जापान रक्षा सहयोग अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। जापानी लड़ाकू विमानों की पहली बार भारत में वीर गार्जियन 2026 सैन्य अभ्यास में भागीदारी, रक्षा उद्योग मंच की बैठक और तीनों सेनाओं के संयुक्त अभ्यासों को अधिक व्यापक बनाने की पहल इस साझेदारी को वास्तविक सैन्य क्षमता में बदल रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और जापान 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक पड़ाव से पहले टोक्यो की 2+2 वार्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई सामरिक दिशा दे दी है। बहरहाल, संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। हिंद-प्रशांत में अब शक्ति संतुलन केवल चीन की सैन्य क्षमता से तय नहीं होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, नौसैनिक ताकत, रक्षा उत्पादन क्षमता और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर एक ऐसा रणनीतिक विकल्प तैयार कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी बीजिंग के लिए आसान नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए दुनिया की प्रमुख शक्तियों को भारत के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी के लिए जोड़ रहा है। टोक्यो की यह बैठक उसी दूरदर्शी कूटनीति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

माता कौशल्या की जन्मभूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल में श्री राम कथा का आयोजन हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय - मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री ने किया श्री राम कथा का रसपान, पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी से लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं प्रकाश पर्व की दी बधाई एवं शुभकामनाएं



दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को इस्पात नगरी भिलाई के सेक्टर-2 में आयोजित श्री राम कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ को नमन कर विश्वविख्यात कथाव्यास पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी से आशीर्वाद लिया तथा श्रद्धालुओं के साथ बैठकर भक्तिभाव से श्री राम कथा का रसपान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरू नानक देव जी की जयंती प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने माता कौशल्या की जन्मभूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में विगत आठ दिनों से श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। पूज्य बापू जी के श्रीमुख से श्री राम कथा का रसपान करने का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रभु श्रीराम से गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक संबंध है। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में व्यतीत किया है। प्रदेश में अनेक ऐसे पवित्र स्थल हैं, जो प्रभु श्रीराम के वनवास काल की स्मृतियों से जुड़े हुए हैं। राजिम के त्रिवेणी संगम में स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर के संबंध में मान्यता है कि प्रभु श्रीराम एवं माता सीता ने अपने करकमलों से शिवलिंग की स्थापना की थी। चंदखुरी में माता कौशल्या का मंदिर स्थित है। राम वन गमन पथ से जुड़े अनेक स्थल छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। यह छत्तीसगढ़वासियों के लिए विशेष हर्ष एवं गौरव का विषय है, क्योंकि छत्तीसगढ़वासी प्रभु श्रीराम को अपना भांजा मानते हैं। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। प्रत्येक सप्ताह अम्बिकापुर, बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग से विशेष ट्रेन के माध्यम से लगभग 850 श्रद्धालुओं को अयोध्या ले जाकर श्री रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में पूर्व में आयोजित श्री राम कथा का स्मरण करते हुए कहा कि पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी का स्नेह एवं आशीर्वाद निरंतर छत्तीसगढ़ को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने जनवरी 2027 में रायपुर में आयोजित होने वाली श्री राम कथा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को श्री राम कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम एवं माता सीता से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भूपेन्द्र सवन्नि, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, जीवन आनंद फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

जलकुंभियों से पटा पोलसाय पारा तालाब, दुर्गंध से परेशान वार्डवासी

एनजीटी में शामिल तालाब की सफाई में निगम बरत रहा लापरवाही, पार्षद मनीष बघेल ने दी आंदोलन की चेतावनी



दुर्ग । नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रं.27 स्थित पोलसाय पारा तालाब इन दिनों बदहाली का शिकार है। साफ सफाई के अभाव में पूरा तालाब जलकुंभियों से पट गया है। स्थिति यह है कि तालाब का पानी अब निस्तारी के लायक भी नहीं रह गया है। वहीं तालाब से उठ रही दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी और बदबू के चलते क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। गौरतलब है कि पोलसाय पारा तालाब एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) के दायरे में शामिल है। इसके बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा तालाब की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। तालाब की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्रवासियों में निगम प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़?ती जा की है। इस संबंध में वार्ड के कांग्रेस पार्षद मनीष बघेल नेपूर्व में नगर निगम प्रशासन को तालाब की दयनीय स्थिति से अवगत कराकर तालाब की साफ सफाई की मांग की थी, लेकिन उनकी शिकायत पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। नतीजतन तालाब में जलकुंभियों का दायरा लगातार बढ़?ता जा रहा है और गंदगी के कारण दुर्गंध की समस्या भी गंभीर होती जा ही है। पार्षद मनीष बघेल ने

तालाब की बदहाली के लिए नगर निगम प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि शहर के तालाबों की सफाई के लिए निगम द्वारा पौन्ड मशीन खरीदी गई है, लेकिन इसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। मशीन की खरीदारी के बावजूद तालाबों की सफाई नहीं होना निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा एक ओर तालाबों के संरक्षण की बात की जाती है, दूसरी ओर एनजीटी के दायरे में शामिल तालाब की दुर्दशा पर जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं।

पार्षद मनीष बघेल ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम प्रशासन ने जल्द ही पोलसाय पारा तालाब की सफाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाया, तो वे वार्डवासियों के साथ मिलकर निगम प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

अकलतरा अनुभाग पुलिस द्वारा प्रातः तड़के ग्राम बड़े अमेरी के सबरिया डेरा में सर्जिकल स्ट्राइक कर अवैध हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची महुआ शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही



जांजगीर-चांपा । 95 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 9500/- रुपये सहित 02 मोटर सायकल, 01 टुल्लू पम्प एवं 03 नग हंडी कुल 3,20,000/- रूपये का मशरूका जप्त*आरोपी - बाबूलाल गौड़ पिता धरम गौड़ उम्र 22 वर्ष निवासी बड़े अमेरी कोटमीसोनार थाना अकलतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया श्रीमान पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय (भा पु से)* के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. युलैण्डन यार्क के कुशल मार्गदर्शन में एवं डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अकलतरा के नेतृत्व में अनुभाग स्तर पर गठित टीम द्वारा अवैध शराब, जुआ-सट्टा के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना अकलतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अकलतरा के नेतृत्व में थाना अकलतरा, मुलमुला व पुलिस सहायता केंद्र कोटमी के संयुक्त गठित विशेष टीम ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम बड़े अमेरी नाला किनारे सबरिया डेरा में सबरिया समुदाय के कुछ लोगों द्वारा अवैध हाथ भट्टी का महुआ शराब बनाने की सूचना पर रेड कार्यवाही की।मौके पर बड़ा चूल्हा बना कर तीन हांडियों का इस्तेमाल कर अत्यधिक मात्रा में कच्ची हाथ भट्टी का महुआ शराब बेचने के नियत से बनाते पाए जाने से मुखबिर पंचनामा तैयार कर कार्यवाही की गई। मौके पर आरोपी के पास से जप्त मशरूका 1. कुल 06 प्लास्टिक जरीकेन में 95 लीटर हाथ भट्टी से बना कच्ची महुआ शराब कीमती 9500/- रुपये2. दो नग मोटर सायकल होंडा होर्नेट व पल्सर ह250 कीमती 3 लाख रुपये3. 01 नग टुल्लू पम्प कीमती 7 हजार रुपये4. 03 नग एल्यूमीनियम की हंडी और प्लास्टिक पाइप कीमती 3 हजार रुपयेकुल जुमला मशरूका कीमती 3,20,000/- रूपयेगिरफ्तार आरोपी बाबूलाल गौड़ पिता धरम गौड़ उम्र 22 वर्ष निवासी बड़े अमेरी कोटमीसोनार थाना अकलतरा।

इंदिरा मार्केट में 17.35 करोड़ की लागत से बनेगी अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग, महापौर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश,

298 कारों की पार्किंग क्षमता, 11 दुकानों का भी होगा निर्माण; बाजार क्षेत्र को जाम से मिलेगी राहत



दुर्ग। शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रस्तावित अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का महापौर अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को कार्य में और गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद रंजीता पाटिल, प्रभारी भवन अधिकारी गिरीश दिवान, उप अभियंता पंकज साहू, पूर्व एल्डरमेन संदीप जैन,जितेंद्र राजपूत एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निर्माण कार्य में और तेजी लाते हुए लगातार काम जारी रखें, ताकि निर्धारित समय में परियोजना पूर्ण कर नागरिकों को पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी गुणवत्ता, निर्माण की मजबूती एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए।महापौर ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव और इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या को देखते हुए यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है। मल्टीलेवल पार्किंग बनने से बाजार क्षेत्र में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित होगी, सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर नियंत्रण लगेगा और यातायात जाम की समस्या से नागरिकों, व्यापारियों तथा बाजार में आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। मल्टीलेवल पार्किंग शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।लगभग 17 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस अत्याधुनिक पार्किंग परियोजना में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर एवं दो मंजिला संरचना विकसित की जाएगी। इसमें कुल 298 कारों की पार्किंग क्षमता होगी तथा परिसर में 11 दुकानों का निर्माण भी किया जाएगा। निर्माण कार्य की निर्धारित अवधि 18 माह है। परियोजना पूर्ण होने पर इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी नई सुविधा मिलेगी।

गुरूनानक देव का 557वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया





गाजीपुर। कार्तिक पुर्णिमा के दिन गुरू नानक देव की 557वीं जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी। जिसे लेकर महाजनटोली स्थित गुरूद्वारा में प्रकाश पर्व मनाया गया। इसकी जानकारी देते हुए सरदार दलजीत सिंह ने बताया की प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गुरूनानक देव की 557वीं जयन्ती पूरे देश में मनायी गयी। महाजनटोली स्थित गुरूद्वारा में पाठ किया गया और दिन में साढे बाहर बजे शबद किर्तन का आयोजन वाराणसी से आये भाई बलबीर गुलशन बनारस वाले ने अपने शबद किर्तन और वाहे गुरू, वाहे गुरू के नारो से पुरा गुरूद्वारा का वातावरण गुंज उठा। दोपहर 2:30 बजे से 3 बजे के बीच अरदास और साय 3 बजे से लंगर का आयोजन किया गया। अतिथि विनोद अग्रवाल ने बताया कि सिक्ख धर्म से हमे सीख लेने की जरूरत है इनके अच्छे कर्मो को आत्मसात करके हम समाज मं फैली बहुत से कुरीतियो को हम दूर कर सकते है। इनके यहा उंच नीच का भेद भाव नही होता और ये बड़े ही परिश्रमी होते है जो मुगलो से लड़ते हुए हिन्दू धर्म की रक्षा की और देश को आजाद करने मे इनका अतुलनीय योगदान रहा, इन्होने कभी भारत देश से अलग होने की बात नही की। शबद किर्तन मे सुखबीर एग्रो के महाप्रबन्धक बाबी सिंह ज्ञानी जगपाल सिंह, नरेन्द्रपाल सिंह सोनी, बाबी, अमरिन्दर सिंह, सरदार त्रिलोक सिंह, हरजीत सिंह, विरेन्द्र पाल सिंह, अगमदीप सिंह, गुरूप्रीत सिंह, अतिप्राचीन रामलीला कमेटी के महामंत्री ओमप्रकाश तिवारी, समाजसेवी अमरनाथ तिवारी, जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अखिलेश सिंह, श्याम, राजन सिंह, सौरभ तिवारी, विनीत आदि उपस्थित रहे।

सुशासन में विकास कार्यों को मिली गति, जामुल के विकास के लिए सरकार लगातार उपलब्ध करा रही राशि - उप मुख्यमंत्री

जामुल को 19 करोड़ 63 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात

मानस मंच निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा



दुर्ग/भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने गजमाला पहनाकर उप मुख्यमंत्री श्री साव का स्वागत किया।उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जामुल क्षेत्र के विकास के लिए 19 करोड़ 63 लाख 6 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने मानस मंच निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश सरकार के सुशासन में विकास कार्यों को गति मिली है और जनहितकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि जामुल नगरपालिका को पिछले तीन वर्षों में विभिन्न योजनाओं एवं मदों से कुल 54 करोड़ 26 लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। आज जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है, उनकी शुरुआत अगले दिन से ही करने तथा कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं करने को कहा , ताकि नागरिकों को जल्द सुविधाएं मिल सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध करा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा दो वर्ष के बकाया बोनस जैसी गारंटियों को पूरा करने की दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को हर माह 1000 रुपये सीधे उनके खातों में दिए जा रहे हैं। लाभार्थियों को अब तक 32-32 हजार रुपये प्राप्त हो चुके हैं। वहीं केंद्र सरकार द्वारा हर माह 5 किलो चावल भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

कांग्रेस जांच दल ने ह्रष्ठष्ट प्रबंधन को घेरा, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल बोले-पर्यावरणीय नुकसान की जिम्मेदारी तय कर हो कार्रवाई

बैलाडीला में 8 किमी तक फैला मलबा, हजारों पेड़-पौधे तबाह

चार प्राकृतिक जलस्रोत प्रभावित, सैकड़ों वन्यजीवों के मलबे में दबने की आशंका; बारिश हुई तो और बढ़ सकती है तबाही





दंतेवाड़ा :- बैलाडीला की पहाड़ियों में हुए भीषण भूस्खलन से जंगल और पर्यावरण को हुए नुकसान की भयावह तस्वीर सामने आने लगी है। पहाड़ से खिसका मलबा करीब 7 से 8 किलोमीटर तक फैल गया है। इसकी चपेट में आकर हजारों पेड़-पौधे मलबे में दफ्न हो गए हैं। वहीं चार प्राकृतिक जलस्रोत प्रभावित होने और सैकड़ों वन्यजीवों के मलबे में दबकर मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। सोमवार को कांग्रेस के जांच दल ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लिया और इस घटना को लेकर एनएमडीसी प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।कांग्रेस जांच दल के संयोजक एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने घटना के लिए एनएमडीसी प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इस भूस्खलन ने जंगल, पर्यावरण और वन्यजीवों को भारी नुकसान पहुंचाया है। हजारों पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का अस्तित्व संकट में है। इतनी बड़ी पर्यावरणीय क्षति को सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने मामले में जिम्मेदारी तय कर एनएमडीसी प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की।

3 किलोमीटर का दावा, मौके पर 8 किलोमीटर तक मिला मलबा-कांग्रेस जांच दल ने आरोप लगाया कि एनएमडीसी प्रबंधन की ओर से मलबे का फैलाव महज 2 से 3 किलोमीटर बताया गया था, जबकि मौके पर निरीक्षण के दौरान इसकी सीमा करीब 7 से 8 किलोमीटर तक दिखाई दी। जांच दल के अनुसार मलबे ने जंगल के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। हजारों पेड़-पौधे दब चुके हैं, वहीं चार प्राकृतिक जलस्रोत प्रभावित हुए हैं। वन्यजीवों को हुए नुकसान का वास्तविक आंकड़ा अभी सामने आना बाकी है।

अब भी खिसक रहा मलबा, बारिश बनी चिंता का कारण-प्रभावित क्षेत्र में सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि मलबा अभी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। उसके धीरे-धीरे आगे खिसकने से आसपास के पेड़-पौधों और वन्यजीवों को लगातार खतरा बना हुआ है। कांग्रेस जांच दल ने आशंका जताई कि यदि इस दौरान बारिश होती है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। मलबे का दायरा बढ़ने से जंगल के अन्य हिस्सों, प्राकृतिक जलस्रोतों और वन्यजीवों को भी भारी नुकसान पहुंच सकता है।

इंसानी जान नहीं गई तो क्या जंगल की जिंदगी का कोई मोल नहीं?-कांग्रेस जांच दल ने सवाल उठाया कि किसी इंसान की जान नहीं जाना निश्चित रूप से राहत की बात है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हजारों पेड़ों का नष्ट होना, प्राकृतिक जलस्रोतों का प्रभावित होना और वन्यजीवों का अस्तित्व संकट में पड़ना छोटी घटना मान ली जाए। जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि हजारों जीव-जंतुओं का प्राकृतिक आवास भी है। इसकी भरपाई करना आसान नहीं है।

वैज्ञानिक सर्वे और जिम्मेदारी तय करने की मांग-कांग्रेस जांच दल ने पूरे प्रभावित क्षेत्र का स्वतंत्र और वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग की है। इसमें मलबे के वास्तविक फैलाव, नष्ट हुए पेड़-पौधों, प्रभावित जलस्रोतों और वन्यजीवों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने की बात कही गई है। साथ ही घटना के कारणों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और प्रबंधन की जवाबदेही तय करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग उठाई गई है। बैलाडीला की पहाड़ियों में हुआ यह भूस्खलन अब केवल एक हादसा नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और खनन गतिविधियों की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर सवाल बन गया है।



अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई, रेत और चैन माउंटेन मशीन जब्त

जांजगीर-चांपा, कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम चांपा शशि चौधरी, तहसीलदार श्री प्रशांत पटेल एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा हसदेव नदी के तटवर्ती ग्राम सोंठी, पिपरदा, पूछेली, खपरीडीह, बम्हनीडीह एवं गोविंदा में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पूछेली, पिपरदा एवं बम्हनीडीह में लगभग 25 हाइवा रेत के अवैध भंडारण को जब्त किया गया। इसके साथ ही पूछेली एवं पिपरदा में चैन माउंटेन मशीन होने की सूचना प्राप्त होने पर टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर उसे जब्त करने की कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 25 नवम्बर को बिलासपुर और मुंगेली जिले के प्रवास पर, लोरमी में नागरिक अभिनंदन

जन्मदिन पर रतनपुर में मां महामाया के करेंगे दर्शन

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 25 नवम्बर को बिलासपुर और मुंगेली जिले के प्रवास पर रहेंगे। वे अपने जन्मदिन के अवसर पर देवरहट, लोरमी और मुंगेली में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वे देवरहट में कश्यप समाज के भवन का उद्घाटन करने के साथ ही आयुष्मान आरोग्य केंद्र में स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान कार्यक्रम का जायजा लेंगे। लोरमी के मानस मंच में उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अपने दौरे की शुरुआत रतनपुर में मां महामाया देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना से करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव 25 नवम्बर को सवेरे आठ बजे बिलासपुर से कुदुदंड स्थित तुलजा भवानी मंदिर के पास 'मातृ छाया' के लिए प्रस्थान करेंगे। वे सवेरे नौ बजे रतनपुर पहुंचकर मां महामाया देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। वे सवेरे साढ़े दस बजे कोटा और दोपहर 12 बजे तखतपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर एक बजे मुंगेली जिले के बरेला और डेढ़ बजे जरहागांव में कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

श्री साव दोपहर दो बजे लोरमी के देवरहट स्थित मिडिल स्कूल में आयोजित अपने जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां वे कश्यप समाज भवन का उद्घाटन करेंगे तथा आयुष्मान आरोग्य केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान कार्यक्रम का निरीक्षण करेंगे। वे शाम साढ़े चार बजे देवरहट से लोरमी के लिए रवाना होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव शाम छह बजे लोरमी पहुंचेंगे। वे शाम साढ़े छह बजे मानस मंच में आयोजित जन्मोत्सव एवं नागरिक अभिनंदन समारोह में शामिल होंगे। वे शाम साढ़े सात बजे सरदार जी ज्वेलर्स का उद्घाटन करेंगे तथा मानसी इंटरप्राइजेज में स्वागत कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव रात साढ़े आठ बजे मुंगेली के विश्राम गृह मैदान में आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे रात साढ़े नौ बजे मुंगेली से बिलासपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और रात साढ़े दस बजे बिलासपुर पहुंचेंगे।

सांची स्टेशन में कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा 74वीं चेटियागिरि विहार वर्षगांठ एवं पवित्र अवशेषों के प्रदर्शन के उपलक्ष्य में सांची स्तूप परिसर में दिनांक 29 से 30 नवम्बर तक आयोजित कार्यक्रमों में आने जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थायी ठहराव पश्चिम मध्य रेलवे के सांची स्टेशन में 02 दिनों के लिए दिया जा रहा है । दिनांक 27 व 28 नवम्बर 2026 को कोरबा एवं अमृतसर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सांची स्टेशन में 02 मिनट ठहराव के साथ चलेगी 7 गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर, साँची स्टेशन 06.42 बजे पहुंचेगी तथा 06.44 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर, साँची स्टेशन 17.14 बजे पहुंचेगी तथा 17.16 बजे रवाना होगी। उक्त ट्रेन के अस्थाई ठहराव की सुविधा से सांची स्तूप में आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले यात्रियों को आवागमन में सहूलियत होगी।

तेज रफ्तार कबाड़ी जीप की टक्कर से बाइक सवार 17 वर्षीय युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कुसमी। बलरामपुर जिले के कुसमी नगर के मुख्य मार्ग पर शिवम् मेडिकल स्टोर के सामने रविवार को दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 17 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान आशु टप्पो पिता स्व. सुखचरण, उम्र 17 वर्ष, निवासी ग्राम रातासिली, थाना कुसमी के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक इमरान लकड़ा पिता जुलयानूस लकड़ा, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम रातासिली बताया गया है।

जीप के पीछे टोचन कर ले जाई जा रही थी पुरानी ट्रॉली

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अंबिकापुर की बताई जा रही एक कबाड़ी जीप के पीछे पुरानी ट्रैक्टर ट्रॉली टोचन कर ले जाई जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दोनों युवक जीप से साइड लेने का प्रयास कर रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी बीच जीप की चपेट में आने से दोनों दुर्घटनाग्रस्त हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आशु टप्पो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इमरान गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि हादसे की वास्तविक परिस्थितियों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी।

'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' से छत्तीसगढ़ में पीएम स्वनिधि के क्रियान्वयन को मिली राष्ट्रीय पहचान

स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स में 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' में राज्य को मिला द्वितीय पुरस्कार

- छत्तीसगढ़ में एमएमयू से स्ट्रीट वेंडर्स के सेहत की देखभाल के नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रतिष्ठा



बिलासपुर। पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के छत्तीसगढ़ के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में कुल पांच राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना और पीएम स्वनिधि योजना के संयोजन से 'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' नवाचार को 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' श्रेणी में देशभर में द्वितीय स्थान मिला है। इस पहल के तहत पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाईयां और ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव, प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, संचालक श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण (सुडा) के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं राज्य नोडल अधिकारी श्री सुनील अग्रहरि ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया। ऋण शिविरों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने से पथ विक्रेताओं की भागीदारी बढ़ी - राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत आयोजित ऋण शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी बढ़ाना चुनौती थी। कई पथ विक्रेता इन शिविरों को आवेदन और दस्तावेजी प्रक्रिया तक सीमित मानते थे। इस समस्या के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट को पीएम स्वनिधि के ऋण शिविरों से जोड़ दिया। इसके तहत हेल्थ-कम-लोन कैंप आयोजित किए जाने लगे। इन शिविरों में पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 41 प्रकार की जांच और 170 प्रकार की जेनेरिक दवाईयां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही ऋण आवेदन भरने, परिवार की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी सहायता की गई। नई पहल से ऋण आवेदनों में करीब तीन गुना वृद्धि - श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। पहले जहां एक शिविर में 50-60 पथ विक्रेता पहुंचते थे, वहीं मोबाइल मेडिकल यूनिट की मौजूदगी से ये संख्या बढ़कर 120 से 150 तक हो गई। इसी तरह प्रति शिविर ऋण आवेदनों की संख्या 20-25 से बढ़कर 60 से 70 तक पहुंच गई। इस तरह ऋण आवेदनों में लगभग तीन गुना की वृद्धि दर्ज की गई। सितम्बर-2025 से अक्टूबर-2026 के बीच 31 हजार 056 मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविरों के माध्यम से 66 हजार 959 पात्र ऋण आवेदन प्राप्त हुए।

राशन दुकानों में चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें : कलेक्टर



बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने दिसंबर माह में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण के लिए चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी उचित मूल्य दुकान में चावल की कमी से हितग्राहियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में खाद्य विभाग, विपणन संघ, भारतीय खाद्य निगम एवं राइस मिलर्स की बैठक लेकर कस्टम मिलिंग और चावल जमा करने की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के बाद नागरिक आपूर्ति निगम तथा भारतीय खाद्य निगम में शेष चावल जमा करने में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मिलर्स से कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप चावल जमा करें और लंबित मात्रा का निराकरण प्राथमिकता से करें। विशेष रूप से एफसीआई में 15 दिनों से अधिक समय से चावल जमा करने के लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में जारी डीओ के अनुपात में देय 7 लाख 6 हजार 445.88 मीट्रिक टन चावल के विरुद्ध अब तक 3 लाख 60 हजार 98.62 मीट्रिक टन चावल जमा किया गया है। यह देय मात्रा का 50.97 प्रतिशत है। नागरिक आपूर्ति निगम में 1 लाख 94 हजार 988.09 मीट्रिक टन और भारतीय खाद्य निगम में 1 लाख 65 हजार 110.53 मीट्रिक टन चावल जमा हुआ है। दोनों एजेंसियों में कुल 3 लाख 46 हजार 347.26 मीट्रिक टन चावल जमा किया जाना शेष है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को चावल जमा करने की प्रगति की नियमित निगरानी करने और मिलर्स के साथ समन्वय बनाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

टीम एसईसीएल में हर लक्ष्य हासिल करने का माद्दा है-सीएमडी हरीश दुहन



बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के 42वें स्थापना दिवस के दो दिवसीय समारोह का मंगलवार, 24 नवंबर को बिलासपुर स्थित कंपनी मुख्यालय में शानदार आगाज़ हुआ। पहले दिन का मुख्य आकर्षण प्रेरक वक्ता श्री आनंद मुंशी का सत्र रहा। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों, खदानों, क्षेत्रों और विभागों को विभिन्न श्रेणियों में 170 से अधिक पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रेरक सत्र में श्री आनंद मुंशी ने दौड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि दौड़ शुरू करना आसान है, लेकिन उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। उन्होंने कर्मियों से अपने रोज़मर्रा के काम में कुछ नया आज़माने और काम को बेहतर बनाने के तरीके तलाशने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारी अपने काम में सुधार की पहल करते हैं और अपने विचारों को अमल में लाते हैं, तो उनका प्रयास पूरे संगठन को आगे बढ़ाता है। समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा कि जिस प्रकार एक सैनिक सीमा पर राष्ट्र की सुरक्षा का दायित्व निभाता है, उसी प्रकार देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देना हम सभी कोयला कर्मियों का राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने कहा कि हमें इसी भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश की बिजली जरूरतों के लिए आवश्यक कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने में अपना योगदान देना है। टीम एसईसीएल पर पूर्ण विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि सभी कर्मी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ा-थोड़ा अतिरिक्त प्रयास करें तो कंपनी अपने निर्धारित उत्पादन लक्ष्य हासिल कर सकती है।

अकलतरी के 'आशा' केंद्र पहुंचे कलेक्टर,महिला समूह के उत्पादों को बाजार से जोड़ने के निर्देश...

- जिला पंचायत सीईओ के साथ पशु आहार संयंत्र, मुर्गीपालन इकाई और अजोला उत्पादन का लिया जायजा
- पशु आहार संयंत्र से जय भारत महिला समूह का कारोबार करीब 7 करोड़ रुपये

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल के साथ बिल्हा विकासखंड के ग्राम अकलतरी स्थित अटल आजीविका समृद्धि हाट (आशा) केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बिलासा पशु आहार संयंत्र, मुर्गीपालन इकाई और अजोला उत्पादन की गतिविधियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने समूह की सदस्यों से चर्चा कर उनके कामकाज और इकाइयों के संचालन की जानकारी ली। कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूह को विपणन व्यवस्था से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि समूह के उत्पादों की बिक्री का दायरा बढ़ सके। बिलासा पशु आहार संयंत्र का संचालन जय भारत महिला स्व-सहायता समूह की 10 महिलाएँ कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ा यह समूह पशु-पक्षियों के लिए आहार तैयार करता है और उसकी बिक्री भी संभालता है। समूह के लेखे के अनुसार, वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच संयंत्र में 23 हजार 343 क्विंटल आहार तैयार कर बेचा गया। इस दौरान संयंत्र का कुल कारोबार 6 करोड़ 92 लाख 78 हजार रुपये रहा और समूह को 65 लाख 82 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। संयंत्र में काम करने वाली सदस्यों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी दी जाती है। तीन वर्षों में उन्हें कुल 15 लाख 44 हजार रुपये की मजदूरी और 6 लाख रुपये का बोनस दिया गया। समूह ने कारोबार बढ़ाने के लिए मशीनरी और गोदाम निर्माण पर 9 लाख रुपये खर्च किए हैं। संयंत्र की स्थापना के लिए जिला पंचायत बिलासपुर ने भवन और मशीनरी मद में 20 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई थी। समूह ने कच्चा माल खरीदने के लिए 12 लाख रुपये का बैंक ऋण लिया। पशुधन विकास विभाग ने संयंत्र को तकनीकी सहयोग दिया। आशा केंद्र की मुर्गीपालन इकाई का संचालन अकलतरी का उन्नति महिला स्व-सहायता समूह कर रहा है। समूह ने 1 मई 2024 को मुर्गीपालन शुरू किया। इकाई के लिए 'बिहान' से 4 लाख 50 हजार रुपये की सहायता मिली। समूह द्वारा मुर्गी पालन के साथ ही बटेर पालन का कार्य भी किया जा रहा है साथ ही मुर्गी एवं बटेर के अंडों से चूजा उत्पादन का कार्य भी किया जा रहा है समूह द्वारा ग्रीन अजोला का उत्पादन कर मुर्गियों को खिलाने के साथ ही अन्य प्रदेशों में बिक्री भी की जा रही है समूह ने अब तक 30 लाख रुपए का व्यवसाय कर लगभग 4.30 लाख रुपए की आय अर्जित की है। स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो जाने से समूह की महिलाएं खुश हैं।

राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षण शिविर में बिलासपुर जिले के रोवर्स एवं गाइड्स ने लिया हिस्सा



बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राज्य मुख्यालय, बिलासपुर द्वारा राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर प्रमाण-पत्र जाँच परीक्षा-2026 के अंतर्गत पाँच दिवसीय राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर का आयोजन 19 से 23 नवंबर 2026 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र, खोडरी में किया गया। राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव श्री अमित क्षत्रिय के निर्देशानुसार तथा जिला मुख्य आयुक्त श्री राजेन्द्र कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त (स्काउट) श्री संदीप पाण्डेय और जिला आयुक्त (गाइड) श्रीमती आरती राय के मार्गदर्शन में बिलासपुर जिले से सात प्रतिभागियों ने शिविर में सहभागिता की। इनमें रोवर वर्ग से नितेश चंद्राकर, चन्द्रशेखर पंकज एवं तुषार विश्वकर्मा तथा गाइड वर्ग से दिव्या पटेल, हिमांशी श्रीवास, सत्या साहू एवं किरण साहू शामिल रहीं। शिविर के शुभारंभ समारोह में श्री पीयूष गुप्ता, अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर एवं राज्य मुख्य आयुक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा श्री यू. शिव शंकर राव, राज्य सचिव एवं मंडल कार्मिक अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश से कुल 104 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से 70, छत्तीसगढ़ से 28 तथा मध्य प्रदेश से 6 प्रतिभागी शामिल थे। प्रतिभागियों में 13 स्काउट्स, 39 गाइड्स, 30 रोवर्स एवं 22 रेंजर्स सम्मिलित रहे। शिविर में राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा नामित ऑब्जर्वर तथा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के आठ अधिकृत परीक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं परीक्षण मानदंडों के अनुरूप प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक दक्षता, अनुशासन, सेवा भावना तथा स्काउटिंग एवं गाइडिंग से संबंधित आवश्यक कौशलों का परीक्षण किया गया। शिविर के द्वितीय दिवस श्रीमती शिवरंजनी पोपली वर्मा, राज्य आयुक्त (गाइड) एवं उप मुख्य संरक्षा अधिकारी (संकेत एवं दूरसंचार), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर का आयोजन श्री पीयूष गुप्ता, राज्य मुख्य आयुक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। शिविर के सफल संचालन एवं समुचित व्यवस्थाओं में श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का मार्गदर्शन एवं सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक संपन्न हुआ....



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में आज दिनांक 23 नवंबर 2026 को महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के जोनल अध्यक्ष श्री बी. अप्पाला नायडू, महासचिव श्री हनुमंतु प्रसाद राव सहित बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों के प्रतिनिधि तथा संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रीमती दर्शनीता बी. अहलूवालिया, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित मुख्यालय के विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने उपस्थित संगठन के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इसके पश्चात संगठन के पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारी कल्याण, कर्मचारियों के हितों एवं संगठन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को महाप्रबंधक एवं संबंधित विभागाध्यक्षों के समक्ष रखा गया। इन सभी विषयों पर विस्तारपूर्वक एवं सार्थक चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों के कल्याण, कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता, कर्मचारी हितों के संरक्षण तथा उनकी समस्याओं के समाधान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत विषयों पर संबंधित विभागाध्यक्षों ने अपना पक्ष रखा तथा महाप्रबंधक महोदय ने समस्याओं के उचित निराकरण हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को इन पर उचित विचार एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों से जुड़े विषयों के समाधान के लिए प्रशासन और कर्मचारी संगठनों के बीच निरंतर संवाद एवं बेहतर समन्वय के महत्व पर बल दिया। बैठक में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन), उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (कल्याण), प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक, प्रधान मुख्य वित्त सलाहकार, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, उप महाप्रबंधक (सामान्य), महाप्रबंधक के सचिव सहित मुख्यालय के अन्य विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य कर्मचारी संगठन के साथ संवाद को सुदृढ़ करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं के समाधान तथा रेलवे प्रशासन एवं संगठन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा।

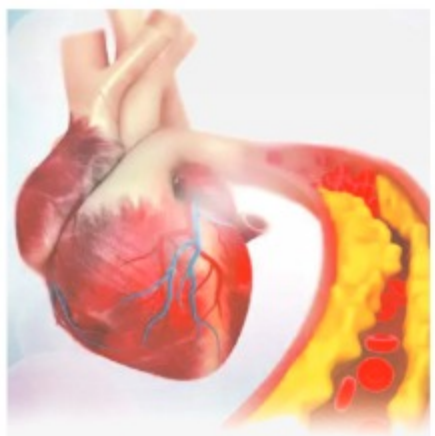

कोलेस्ट्रॉल को दिल के पास पहुंचने से रोकते हैं 5 फूड

बाहर की चीजें खाना, ज्यादा तला-भुना खाना, एक्सरसाइज न करना और सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से सबसे कॉमन बीमारी है कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना। तो जानिए 5 ऐसी चीजों के बारे में, जो आपका बेड कोलेस्ट्रॉल कम करने में बेहद फायदेमंद हैं।

दिल तक नहीं पहुंचेगा कोलेस्ट्रॉल

दिल की बीमारियों का सीधा संबंध कोलेस्ट्रॉल से है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खानपान में थोड़ा सा बदलाव करके आप शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा सकते हैं।

ऑलिव ऑयल

कोलेस्ट्रॉल सबसे ज्यादा तेल की वजह से बढ़ता है। ऑलिव ऑयल के इस्तेमाल से सामान्य तेल के मुकाबले कई प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है।

ओट्स



ओट्स में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसमें बीटा ग्लूकॉन भी होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज से राहत दिलाता है। नियमित तौर पर नाश्ते में ओट्स खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल को लगभग 6 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए सप्ताह में दो बार स्टीम्ड या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी सहायक होती है।

अलसी

अलसी के बीज कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी मददगार होते हैं। बेहतर होगा कि आप साबुत बीज की जगह पर पिसे हुए बीज का सेवन करें।



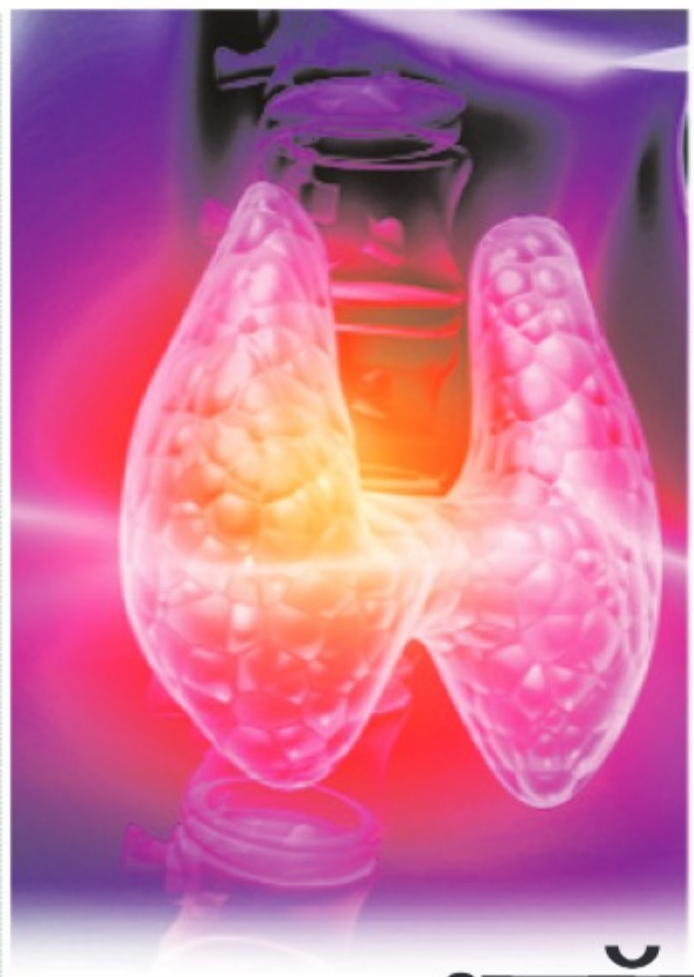

थाइरॉयड का कोई स्थायी इलाज नहीं, कंट्रोल रखकर ही रह सकते हैं स्वस्थ

थाइरॉयड एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। दुर्भाग्यवश इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। इसे सिर्फ कंट्रोल रखकर ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। थाइरॉयड एक हार्मोन होता है जिसे आपकी थाइरॉयड ग्रंथि बनाती है। इस हार्मोन के ज्यादा या कम बनने से आपके शरीर में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

हाइपरथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें यह हार्मोन ज्यादा बनता है जबकि हाइपोथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमे ग्रंथि बहुत कम या इस हार्मोन को बनाना ही बंद कर देती है। थाइरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरूरी है। घर में आसानी से मिलने वाले कुछ खाद्य पदार्थ जो थाइरॉयड को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

कद्दू के बीज



कद्दू के बीज जिंक का एक बढ़िया स्रोत हैं, जो T4 को एक्टिव T3 में बदलने के लिए जरूरी हैं। अगर आप थाइरॉयड के मरीज हैं, तो आपको इसे डाइट में शामिल करना चाहिए।

राजगीरा

राजगीरा सेलेनियम का एक बढ़िया स्रोत है, जो T4 को T3 में बदलने के लिए जरूरी है, क्योंकि डिओडिनेज एंजाइम (ऐसे एंजाइम जो T4 से आयोडीन एटॉमस को हटाते हैं) सेलेनियम पर निर्भर होते हैं।

दही

दही भी आयोडीन का एक बड़ा स्रोत है। यह एक प्रोबायोटिक सुपरफूड भी है, जो आंतों के स्वास्थ्य को भी बनाए रखता है। यह जरूरी है क्योंकि कई थायरॉयड समस्याएं ऑटोइम्यून बीमारी के कारण होते हैं। ध्यान रहे कि इम्यून पावर को ठीक करने के लिए जरूरी है कि पहले आप आंतों को ठीक करें।

करी पत्ता

करी पता कॉपर का एक अच्छा स्रोत है जो थायरोक्सिन हार्मोन टी4 के उत्पादन को बढ़ाता है और शरीर के कैल्शियम लेवल को कंट्रोल करके ब्लड सेल्स में टी4 के अधिक अवशोषण को रोकता है।

सब्जा या तुलसी के बीज



सब्जा के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं जो अच्छे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, यह छोटे-छोटे बीज थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मूंग दाल

मूंग दाल बीन्स की तरह आयोडीन प्रदान करता है और मूंग के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे सभी बीन्स में पचाने में सबसे आसान है। यही वजह है कि यह थायराइड के लिए सबसे बेस्ट फूड है।

अनार

अनार में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सूजन कम होती है। अनार के सेवन से आपकी थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बढ़ावा मिलता है।





गंभीर बीमारी की जड़ है बैठकर काम करना

एक दिन में ज्यादा देर तक बैठे रहने से कई सारी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इन से बचने के लिए एक्सपर्ट ने कुछ काम के टिप्स दिए हैं।

तकनीक ने जीवन आसान बना दिया है। अब किसी काम को करने के लिए ज्यादा शारीरिक मेहनत नहीं करनी पड़ती। लेकिन ये आराम नुकसानदायक भी हो सकता है। क्योंकि, इसने हमारे बैठे रहने के समय को बढ़ा दिया है और साथ में सिटिंग जॉब से गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि बैठे रहना धूम्रपान जितना खतरनाक है। इससे 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं, जिन्हें सिटिंग डिजीज कह सकते हैं। ये बीमारी इतनी खतरनाक हैं कि एक बार होने के बाद पीछा नहीं छोड़ती।

सिटिंग डिजीज क्या है?

ज्यादा देर तक बैठे रहने से 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं। जो कि लाइफस्टाइल से जुड़ी हैं, कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं।

- हार्ट डिजीज
- टाइप 2 डायबिटीज
- हाई बीपी
- बेली फैट
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- अपच
- कब्ज, आदि

एक्सरसाइज से भी नहीं पड़ता असर

अगर आप सोचते हैं कि एक्सरसाइज करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है तो गलत हैं। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद भी ये बीमारी हो सकती हैं। क्योंकि, दिन के बाकी समय में हम बैठे ही रहते हैं। इसलिए इन बीमारियों का खतरा बिल्कुल खत्म नहीं हो जाता।

इतने घंटे बैठने से बचें

जो लोग 7-8 घंटे की सिटिंग जॉब करते हैं और उसके साथ 2-3 घंटे ट्रेवलिंग में बिताते है तो उनके बैठे रहने की अवधि 10 घंटे से ज्यादा हो जाती है। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, शोध कहता है कि एक दिन मे 10 घंटे से ज्यादा बैठने से दिल की बीमारी और अन्य दिक्कतो का खतरा बढ़ सकता है।

ये टिप्स आएंगे काम

- अगर संभव हो तो स्टैंडिंग डेस्क का इस्तेमाल करें।
- संभव हो तो वॉल्किंग मिटिंग करें।
- काम के बीच मे स्ट्रेविंग करें।
- रोजाना डीप ब्रीदिंग करें।
- 20 मिनट बैठने के बाद 8 मिनट खड़े रहने और 2 मिनट चलने की कोशिश करें।

आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाएं

आयुर्वेद और विज्ञान की माने तो शंखनाद से सकारात्मक ऊर्जा का सर्जन होता है जिससे आत्मबल में वृद्धि होती है। शंख में प्राकृतिक कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस की भरपूर मात्रा होती है। शंख से मुख के तमाम रोगों का नाश होता है। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्रोन पोजिशन को एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है तो वहीं अगर आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाना आपके लिए आसान तरीका हो सकता है।

- यदि आप पूजा स्थान पर रखे शंख को पूजा के अलावा अपने आप को स्वस्थ रखने हेतु प्राणायाम के साथ इस्तेमाल करते हैं तो आप दीर्घायु रह सकते हैं।
- शंख बजाने से हृदयाघात, रक्तवाप की अनियमितता, दमा, मंदाग्नि, शुगर, पेट संबंधित में लाभ होता है।
- शंख बजाने से फेफड़े पुष्ट होते हैं। प्रतिदिन शंख फूंकने वाले को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते।
- शंख में पानी रखकर पीने से मनोरोगी को लाभ होता है, उत्तेजना कम होती है।
- शंख की ध्वनि से दिमाग व स्नायु तंत्र सक्रिय रहता है।
- शंख बजाने से योग की 3 क्रियाएं एकसाथ होती हैं- कुंभक, रेचक, प्राणायाम।
- शंख की ध्वनि से नकारात्मक शक्तियां भी दूर होती हैं।
- शंख वादन से स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- शंख बजाने से चेहरे, श्वसन तंत्र, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों का व्यायाम होता है।
- अगर आपको खांसी, दमा, पीलिया, ब्लडप्रेशर या दिल से संबंधित मामूली से लेकर गंभीर बीमारी है तो इससे छुटकारा पाने का एक सरल-सा उपाय है। शंख बजाइए और रोगों से छुटकारा पाइए।





साइटिका के दर्द से परेशान हैं तो जरूर करें गोमुखासन

साइटिका का दर्द पैरों में नसों में दबाव पड़ने के कारण होने वाला दर्द है, जो कमर से संबंधित नसों में सूजन का कारण भी बन सकता है। साइटिका का दर्द होने पर चलने फिरने या पैरों को मोड़ने में समस्या हो सकती है। वही कंधे के आस-पास के नसों में खिंचाव होने के कारण कंधे में भी दर्द होने लगता है। शरीर के इन दोनों ही हिस्सों पर दर्द होने के कारण आपको काम करने में समस्या होना आम बात है। इंस्टाग्राम पेज पर योग प्रशिक्षक ने एक वीडियो शेयर कर साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए गोमुखासन करने की सलाह दी है। गोमुखासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, गो-मुख-आसन जहां गो का अर्थ गाय है, मुख का अर्थ चेहरे से है और आसन का अर्थ मुद्रा है। मुड़े हुए पैर गाय के मुंह की आकृति बनाते हैं जबकि कोहनियां गाय के कान की तरह दिखती हैं। इसलिए, इसे आमतौर पर गाय-मुख मुद्रा के रूप में जाना जाता है।

गोमुखासन करने का तरीका क्या है

- अपने पैरों को जमीन पर फैलाकर बैठ जाएं और दंडासन या स्टाफ पोज से शुरुआत करें।
- अब अपने पैरों को खोलें और फिर घुटनों को मोड़ लें।
- अपने बाएं पैर को अपने दाएं हिप्स के पास ले जाएं।
- अब अपने दाहिने पैर को अपने बाएं कूल्हे के पास ले जाएं।
- इस दौरान आपका दाहिना घुटना आपके बाएं घुटने के ऊपर होना चाहिए।
- इस प्रक्रिया के दौरान सांल लें और अपने दाहिने हाथ को छत की ओर सीधी स्थिति में रखें।
- सांस छोड़ें और अपनी कोहनी को ऊपर की ओर मोड़ें और दाहिने हाथ को पीछे की ओर लाएं।
- अब अपने बाएं हाथ को पीछे की ओर मोड़ कर अपने पीठ के केंद्र को छूते हुए कोहनी को धीरे से जमीन की ओर झुकाएं।
- पीठ के पीछे से अपने हाथों को एक साथ पकड़ने की कोशिश करें और जितना संभव हो सकें उंगलियों को मिलाएं।
- अगर हाथों को पकड़ना मुश्किल हो तो स्ट्रैप या बेल्ट को आप प्रोप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपनी रीढ़ को सीधी स्थिति में रखें और अपने सिर को आगे की ओर झुकने से बचाए।
- साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए इस आसन का अभ्यास रोजाना करें।

गोमुखासन करने के क्या फायदे हैं

- गोमुखासन हिप्स को फैलाता है, जो साइटिका नर्व पर दबाव को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे साइटिका के दर्द को कम किया जा सकता है।
- यह आसन कंधों को खोलने में मदद करता है, जिससे जकड़न दूर होती है और कंधे के दर्द से आराम मिलता है।
- गोमुखासन आपकी छाती को खोलकर पोश्चर में सुधार करता है और कंधों के तनाव से राहत देता है।
- यह मुद्रा रीढ़ की हड्डी को सही रखने में मदद करती है, जो रीढ़ की हड्डी में होने वाली असुविधा को कम कर सकती है।
- गोमुखासन के नियमित अभ्यास से हिप्स, कंधों और रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है, जिससे शरीर के इन हिस्सों में होने वाली असुविधा को कम करने में मदद मिलती है।
- गोमुखासन शरीर के मांसपेशियों की ताकत को संतुलित करने में मदद करता है, किसी भी असंतुलन को दूर करता है जो दर्द का कारण बन सकता है।
- गोमुखासन का अभ्यास आपके साइटिका और कंधे के दर्द से राहत दिला सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे अगर आप इसे पहली बार कर रहे हैं तो किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करें।

रिटेंशन स्कीम मे क्वार्टर किराया कम करने पर बीएमएस नेताओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया



भिलाई। आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के भिलाई आगमन पर भिलाई इस्पात मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने रिटेंशन स्कीम में क्वार्टर किराया 24रुप्रति वर्ग फुट से 6रु प्रति वर्ग फुट करने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का गज फूलमाला से स्वागत कर आभार व्यक्त किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों को रिटायर होने पर रिटेंशन स्कीम एवं लाइसेंस स्कीम के तहत क्वार्टर दिया जा रहा था जिसे अक्टूबर 2025 से बीएसपी प्रबंधन में बंद कर दिया द्य साथ ही रिटेंशन स्कीम में क्वार्टर लिए पूर्व कर्मचारियों को 24 रुपया स्क्वायर फीट किराया देने का फरमान जारी किया द्य जिससे संयंत्र की लंबे समय तक सेवा करने वाले रिटायर कर्मचारियों पर बहुत अधिक आर्थिक बोझ आने लगा द्य भिलाई इस्पात मजदूर संघ बीएमएस एवं भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने बीएसपी प्रबंधन से लगातार इस आदेश का विरोध किया गया एवं क्वार्टर किराया कम करने की मांग करता रहा, लेकिन बीएसपी प्रबंधन ने क्वार्टर किराया कम करने से मना कर दिया द्य कर्मचारियों की इन समस्याओं को भिलाई इस्पात मजदूर संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी तक पहुंचाएं एवं इस समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया द्यमाननीय मुख्यमंत्री महोदय जी ने इस संवेदनशील मामले को गंभीरता पूर्वक लिया और भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के डायरेक्टर इंचार्ज एवं ई डी एच आर को 1 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी ने भिलाई इस्पात संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन को अपने कार्यालय बुलाकर भिलाई इस्पात संयंत्र के रिटेंशन स्कीम में लिए कर्मचारियों का क्वार्टर किराया ?24 स्क्वायर फीट से कम कर ?6 स्क्वायर फिट करने का निर्देश दिया द्य माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर भिलाई प्रबंधन ने रिटेंशन स्कीम के तहत क्वार्टर लेने वाले कर्मचारियों का क्वार्टर किराया 24 रु से घटाकर 6रु किया एवं पूर्व में अधिक किराया ले चुके राशि का समायोजन करने का सर्कुलर निकाला द्य जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र के लगभग 4000 से अधिक पूर्व कर्मचारी एवं उनके आश्रित को बहुत बड़ी राहत मिली द्य

आज माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के पावन धरती भिलाई आगमन पर भिलाई इस्पात मजदूर संघ बीएमएस के पूर्व महामंत्री एवं भिलाई जिला भाजपा के उपाध्यक्ष चन्ना केशवलू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात कर उनका गज फूलमाला से स्वागत किया एवं रिटेंशन स्कीम व लाइसेंस स्कीम की राशि कम कराने के लिए उनको धन्यवाद दिया एवं आभार व्यक्त किया द्य

इस दौरान भिलाई इस्पात मजदूर संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार पाल कार्यकारी अध्यक्ष वंश बहादुर सिंह उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय संयुक्त महामंत्री अनिल गजभिए ,संजय कुमार साकुरे ,जोगेंद्र कुमार ,भूपेंद्र बंजारे ,दिल्ली राव ,गौरव कुमार ,राजेंद्र सिंह,रमेश कुमार ,राजीव कुमार सिंह ,संतोष जगन्नाथ नाले ,अजय मोंगरे,प्रशांत शिरसागर ,सुबोदीप सरदार ,अरूप राय जी अमर,वेणु गोपाल,रवि कुमार,ब्रह्मा नायडू,मरिया दास,टी.शंकर,शिवा कुमार,सागर नेताम,नरेन्द्र कुमार एवं सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारे पहुंचे विधायक देवेंद्र यादव, कीर्तन में शामिल होकर टेका मत्था

सेक्टर-6 गुरुद्वारे में लिया गुरु साहिब का आशीर्वाद, श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का किया वितरण, सेवा और भाईचारे का दिया संदेश



भिलाई। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव सेक्टर-6 स्थित गुरुद्वारा पहुंचे। यहां उन्होंने गुरुद्वारे में मत्था टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव गुरुद्वारे में आयोजित कीर्तन में शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धा भाव से गुरु वाणी का श्रवण किया और संगत के साथ कुछ समय बिताया। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की और प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी पूरी मानवता को सत्य, प्रेम, समानता और सेवा का मार्ग दिखाती हैं। उन्होंने समाज को जाति, धर्म और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर एक-दूसरे के साथ प्रेम और भाईचारे से रहने का संदेश दिया।

उनकी सबसे बड़ी सीख है कि जरूरतमंदों की सेवा करना और सभी को समान दृष्टि से देखना ही सच्ची मानवता है। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारे में सेवा, संगत और लंगर की परंपरा हमें आपसी सहयोग, समानता और समरसता का संदेश देती है। गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलकर ही एक बेहतर और सद्भावपूर्ण समाज का निर्माण किया जा सकता है। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, सिख समाज के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

असामयिक बारिश से प्रभावित धान की फसल को राहत देने गुणवत्ता मापदण्ड में संशोधन की मांग

विशाल देशमुख ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर डैमेज एवं बदरंग धान की निर्धारित सीमा बढ़ाने का किया आग्रह



दुर्ग। असामयिक बारिश के कारण धान की फसल को हुए नुकसान को देखते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के गुणवत्ता मापदण्ड में छूट देने की मांग उठने लगी है। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के उपाध्यक्ष विशाल देशमुख ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर धान खरीदी में डैमेज एवं बदरंग धान की निर्धारित मात्रा बढ़ाने की मांग की है।मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में विशाल देशमुख ने बताया कि इस वर्ष धान की खड़ी फसल के पकने के दौरान हुई असामयिक बारिश से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर पकी हुई धान की फसल खेतों में गिर गई है, वहीं अनेक खेतों में पानी भर जाने से फसल प्रभावित हुई है। ऐसी स्थिति में धान की कटाई एवं मिंजाई के दौरान डैमेज और बदरंग दानों की मात्रा बढ़ने की आशंका है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए खराब एवं बदरंग धान की मात्रा का निर्धारित मापदण्ड 5 प्रतिशत है। बारिश से प्रभावित फसल में यह सीमा पार होने की संभावना है। इसके चलते किसानों द्वारा समितियों में लाया गया धान गुणवत्ता के नाम पर रिजेक्ट हो सकता है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।विशाल देशमुख ने अपने पत्र में वर्ष 1997-98 का उदाहरण देते हुए बताया कि उस समय भी धान की कटाई एवं मिंजाई के दौरान आकस्मिक बारिश हुई थी। ऐसी परिस्थिति में तत्कालीन मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किसानों को राहत देते हुए खरीदी के गुणवत्ता मापदण्ड में वृद्धि की थी। उस दौरान 5 प्रतिशत डैमेज एवं 7 प्रतिशत बदरंग धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए किसानों के हित में धान खरीदी के निर्धारित गुणवत्ता मापदण्ड में आवश्यक संशोधन किया जाए ।

गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मत्था टेकने गुरुद्वारा में उमड़े श्रद्धालु

दुर्ग गुरुद्वारा पहुंचे कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने की विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये देने घोषणा



दुर्ग। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व मंगलवार को शहर में सिख समाज द्वारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा में मुख्य समारोह आयोजित किया गया, जहां सुबह से ही गुरुग्रंथ साहिब के दर्शन और मत्था टेकने के लिए सिख समाज सहित अन्य समाजों के श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। ज्ञानी जत्थे द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन के माध्यम से गुरुनानक देव जी के मानवता, प्रेम, समानता, सद्भावना और सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया। प्रकाश पर्व के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, पूर्व विधायक अरुण वोरा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी, कांग्रेस नेता परमजीत सिंह भुई, गुरदीप सिंह भाटिया, पूर्व पार्षद फतेह सिंह भाटिया सहित भाजपा-कांग्रेस के अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी गुरुद्वारा पहुंचे। सभी ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा सिख समाज को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने पूरी मानवता को प्रेम, भाईचारे, सद्भावना और सेवा का संदेश दिया है। उनके बताए आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए उस कठिन दौर में सिख समाज द्वारा किए गए सेवा और मानवता के कार्यों की विशेष सराहना की। श्री यादव ने गुरुद्वारा परिसर में निर्माणाधीन विकास कार्यों को गति देने के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा में गुरु का अटूट लंगर आयोजित किया गया, जिसमें सिख समाज के साथ ही विभिन्न समाजों के लोगों ने एक साथ बैठकर लंगर ग्रहण किया और सेवा एवं समरसता की परंपरा में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान अरविंदर सिंह खुराना, जितेंदर सिंह, इंद्रपाल सिंह भाटिया, दुर्ग ट्रक मालिक संघ अध्यक्ष गुरदीप सिंह (राजा), सचिव मनमीत सिंह, कोषाध्यक्ष सिंगारा सिंह, मैनेजमेंट इंचार्ज रेशम सिंह, विनोद अरोरा, संदीप सिंह भाटिया, सतविंदर सिंह, राजू सिंह, भूपेंदर सिंह, राजू भाटिया, हरमीत सिंह भाटिया, जस्सी सिंह, दलप्रीत सिंह भाटिया, सुखदेव सिंह (राजू), कंवलजीत सिंह ओबेरॉय, प्रिंस कब्बरवाल, गुरविंदर सिंह, अवतार सिंह रंधावा, सुरेंदर सिंह कब्बरवाल, मनिंदर सिंह, राजेंदर पाल अरोरा, तरसेम सिंह, इंदरजोत सिंह भाटिया, देवेंदर सिंह भाटिया, राजेंदर सिंह, रिमपाल सिंह, जसपाल सिंह सहित दुर्ग-भिलाई के गुरुद्वारों के प्रधान, स्त्री सत्संगत की महिला जत्था, खालसा पब्लिक स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के अलावा सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व समारोह में हुए शामिल

गुरुद्वारे में मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की, मुख्यमंत्री ने लंगर में ग्रहण किया प्रसाद



दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर गुरूद्वारा श्री सिंगसभा सेक्टर 6 में आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरूद्वारा में मत्था टेका तथा पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धाभाव से लंगर में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने भी गुरूद्वारा में मत्था टेका और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश पर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी गुरु नानक देव जी की जयंती मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि इस पावन अवसर पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुरू नानक देव जी की जयंती को हम सभी प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने सिख समाज के संतजनों, समाज के सभी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं युवा साथियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिख समाज का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को निरंतर मिलता रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भूपेन्द्र सवन्नि, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सिख समाज के संतजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

आबादी पट्टा बना प्रधान मंत्री आवास के लिए रोड़ा , सरकार गरीब जरूरत मंद हितग्राहियो को खिला रही लॉलीपाप : आडिल



पाटन। जनकल्याण समिति पाटन ने एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गरीबों को मिलने वाले आवास में होने वाली समस्या से सीईओ जनपद पंचायत को अवगत कराया है। जनकल्याण समिति के संयोजक युगल आडिल ने सीईओ से मिलकर हितग्राहियों को जो समस्या हो रही है उससे अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में विगत कुछ माह पहले प्रधानमंत्री आवास के लिए सभी ग्राम पंचायत में एक ही तिथि में ग्राम सभा का आयोजन किया गया था पूरे प्रदेश के सभी गांव में उसी दिन पंचायत में ग्रामीणों का जमावड़ा था लगभग गांव के सभी घरों का सर्वे कर हितग्राही बनाया गया था और सरकार ने यह भी कहा था कि ग्राम पंचायत का अनुमोदन से ही प्राथमिकता सूची तय की जाएगी और उसी के तहत आवास की लिस्ट जारी की जाएगी लेकिन आवास की सूची ग्राम अनुमोदन के ठीक विपरीत जारी किया है। युगल किशोर आडिल ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री आवास देने के नाम से भ्रम फैला रही है एक तरफ आवास देने की बात कर रही है तो दूसरी तरफ जटिल नियम लागू करके आवास को काटने का काम कर रही है सरकार ने आदेश जारी किया है कि जिनके पास जमीन का पट्टा नक्शा खसरा होगा उन्हीं को लाभान्वित किया जाएगा लेकिन नई बसाहट को सरकार ने अभी आबादी घोषित नहीं किया है आज भी जमीन शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज है पूर्व सरपंचों द्वारा 25 30 साल पहले से ग्रामीणों की जरूरत को देखते हुए जमीन आवंटन किया था लेकिन सरकार ने आज तक जमीन को आबादी घोषित नहीं किया है आडिल ने बताया कि इस स्थिति में पूरे प्रदेश में लगभग 60 प्रतिशत हितग्राहियों का नाम प्रधानमंत्री आवास 2.0 की लिस्ट से विलोपित हो जाएगा भारतीय जनता पार्टी की सरकार असल में गरीब और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास देने की प्रबल इच्छा ही नहीं रखती ग्राम सभा अनुमोदन से पहले भी नोडल अधिकारी भेज कर पूरे पाटन ब्लॉक के सभी गांव से लगभग 7000 हितग्राहियों का नाम अपात्र कर दिया विवाद की स्थिति निर्मित होने पर पुनः जोड़ने का आश्वासन देकर मामले को ठंडा बस्ते में डाल दिया आडिल ने कहा कि सरकार पेचीदा नियम बनाकर गरीब और जरूरतमंदों को आवास योजना से वंचित करने का षड्यंत्र रच रही है भाजपा सरकार नियमों के फेर में फंसा कर ग्रामीण गरीब और जरूरतमंद लोगों को गुमराह कर आवास योजना से वंचित करने का सडयंत्र रच रही है जो कि अनुचित है गलती सरकार कर रही है और बदनाम सरपंच पंच हो रहे है ।

रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और Access to Justice के व्यावहारिक पहलुओं को किया रेखांकित

घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को न्याय से पुनर्वास तक सहायता उपलब्ध कराने में DLSA दुर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका



दुर्ग। घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं को केवल कानूनी संरक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित आवास, आर्थिक सहायता, न्यायिक संरक्षण और आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर करना भी आवश्यक है। इसी व्यापक दृष्टिकोण के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला में सहभागिता करते हुए महिलाओं के विधिक अधिकारों एवं न्याय तक उनकी पहुंच के महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा कार्यशाला के द्वितीय सत्र में "Legal Safeguards, Legal Aid and Access to Justice" विषय पर व्यावहारिक एवं विधिक दृष्टिकोण से अपने विचार रखे गए। व्याख्यान में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी अधिकारों, न्यायिक उपचारों तथा पीड़ित महिलाओं के संरक्षण एवं पुनर्वास की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया गया। व्याख्यान में बताया गया कि घरेलू हिंसा केवल शारीरिक प्रताड़ना तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक एवं भावनात्मक प्रताड़ना, आर्थिक शोषण तथा महिला को उसकी आवश्यकताओं और संसाधनों से वंचित रखना भी इसके विभिन्न स्वरूप हैं। अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं को संरक्षण आदेश, साझा गृहस्थी में निवास का अधिकार, आर्थिक एवं अंतरिम राहत तथा अन्य आवश्यक न्यायिक उपचार उपलब्ध हैं। स्त्रीधन के अधिकार को महत्वपूर्ण बताते हुए स्पष्ट किया गया कि विवाह के पश्चात भी महिला की संपत्ति पर उसी का अधिकार बना रहता है। अधिनियम की धारा 19 (8) के अंतर्गत न्यायालय स्त्रीधन वापस दिलाने का आदेश दे सकता है। वहीं आर्थिक एवं अंतरिम राहत के प्रावधान मुकदमे के अंतिम निराकरण तक महिला और उसके बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परिवारों को बचाने का प्रयास, महिला की सुरक्षा सर्वोपरि–पारिवारिक विवादों के समाधान में न्यायालय एवं परामर्श की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि कई बार संवादहीनता, गलतफहमियों और पारिवारिक अपेक्षाओं के कारण विवाद गंभीर रूप ले लेते हैं। ऐसे मामलों में उचित परामर्श और संवाद के लिए समय देने से आपसी सहमति का रास्ता निकल सकता है तथा परिवारों को टूटने से बचाया जा सकता है। हालांकि, महिला की सुरक्षा, गरिमा और जीवन से जुड़े मामलों में उसके अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

विधिक सहायता से सुरक्षित आश्रय और पुनर्वास तक छत्र की भूमिका–विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 12 (ग) के अंतर्गत प्रत्येक महिला निःशुल्क विधिक सेवाओं की पात्र है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के माध्यम से महिलाओं को विधिक परामर्श, निःशुल्क अधिवक्ता, न्यायालय में प्रतिनिधित्व तथा पात्रता के अनुसार संपत्ति संबंधी विवादों में भी विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अतिरिक्त घरेलू हिंसा से प्रभावित जिन महिलाओं के पास रहने और भोजन की व्यवस्था नहीं होती, उन्हें संबंधित सखी वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षित आवास, भोजन, चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराने में छत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिलाओं को कैरियर मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास भी इस व्यापक सहायता व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

न्याय तक पहुंच का वास्तविक अर्थ–व्याख्यान में यह भी रेखांकित किया गया कि Access to Justice का वास्तविक अर्थ केवल न्यायालय तक पहुंचना नहीं, बल्कि पीड़ित महिला को अपने अधिकारों की जानकारी, समय पर विधिक सहायता, आवश्यक अंतरिम राहत और न्यायिक आदेशों का वास्तविक लाभ मिलना है। इसके लिए न्यायपालिका, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण अधिकारियों, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बीच प्रभावी समन्वय आवश्यक है।रायपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग की सहभागिता ने महिला सुरक्षा के विषय को कानूनी संरक्षण से आगे बढ़ाकर न्याय, पुनर्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के व्यापक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया। छत्र दुर्ग का मूल प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी महिला आर्थिक असमर्थता, सामाजिक दबाव अथवा विधिक जानकारी के अभाव में न्याय से वंचित न रहे। क्योंकि न्याय की वास्तविक सार्थकता केवल कानूनी सहायता उपलब्ध कराने में नहीं, बल्कि पीड़ित महिला को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर प्रदान करने में है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com